WEEKLY

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 01 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (साप्ताहिक) | जयपुर, बुधवार 15 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

दिल्ली दंगा मामला: आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्या केस में ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों की सजा पर 23 जुलाई से सुनवाई

नई दिल्ली। 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने पूर्व आम आदमी पार्टी नेता ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। अब अदालत 23 जुलाई से दोषियों की सजा पर सुनवाई शुरू करेगी। इस मामले के फैसले के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर भी तेज हो गया है। अब सभी की नजर 23 जुलाई से शुरू होने वाली सजा पर सुनवाई पर टिकी है, जहां अदालत दोषियों के खिलाफ सजा की अवधि तय करेगी। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि दंगों के दौरान हिंसक भीड़ ने अंकित शर्मा पर हमला किया, जिसमें उनकी मौत हो गई। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ताहिर हुसैन सहित पांच आरोपियों को दोषी ठहराया। अब अदालत सजा की अवधि तय करने के लिए दोनों पक्षों की दलीलें सुनेगी। फैसले के बाद विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'फरवरी 2020 की घटनाओं ने दिखाया कि दंगों के दौरान छतों पर हथियार, पेट्रोल बम, पत्थर और अन्य हमलावर सामग्री पहले से जुटाई गई थी। ताहिर हुसैन का परिसर किसी सामान्य घर की तरह नहीं, बल्कि हिंसक गतिविधियों के केंद्र जैसा दिखाई देता था। वहां एकत्र लोगों ने स्थानीय हिंदू समुदाय को निशाना बनाया और उनके घरों पर हमले किए।'

शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, 'दोषियों को सजा मिलना न्याय व्यवस्था में विश्वास को मजबूत करता है। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर फैसला दिया है और अंकित शर्मा के परिवार को न्याय मिलना सबसे महत्वपूर्ण है। हालांकि इसे राजनीतिक लाभ के बजाय न्याय के नजरिए से देखा जाना चाहिए। यदि फैसले को उच्च अदालत में चुनौती दी जाती है, तो अभियोजन पक्ष को मजबूत तरीके से अपना पक्ष रखना चाहिए ताकि पीड़ित परिवार को अंतिम न्याय मिल सके।' इस फैसले ने एक बार फिर वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े उन मामलों

को चर्चा के केंद्र में ला दिया है, जिनकी सुनवाई पिछले कई वर्षों से विभिन्न अदालतों में चल रही है। कानूनी जानकारों का मानना है कि यह निर्णय केवल एक हत्या के मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि उन सभी मामलों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाएगा, जिनमें दंगों के दौरान हुई हिंसा, जनहानि और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की न्यायिक जांच जारी है। ऐसे मामलों में अदालतों द्वारा साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर दिए जा रहे फैसले भविष्य की न्यायिक प्रक्रिया की दिशा तय करने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। अभियोजन पक्ष ने सुनवाई के दौरान यह तर्क रखा कि घटनास्थल से एकत्र किए गए भौतिक साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट तथा अन्य दस्तावेजी प्रमाण एक-दूसरे की पुष्टि करते हैं और इन्हीं के आधार पर आरोपियों की भूमिका स्थापित हुई। वहीं बचाव पक्ष ने अपने स्तर पर सभी आरोपों का विरोध करते हुए अदालत के समक्ष विभिन्न कानूनी दलीलें प्रस्तुत कीं। लंबी सुनवाई और दोनों पक्षों की विस्तृत बहस के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करते हुए अपना निर्णय सुनाया।

रूस ने यूक्रेन में फिर मचाई तबाही, जेलेंस्की ने बताया- 'कई शहरों में रिहायशी इमारतों और बुनियादी ढांचों को बनाया निशाना'

नई दिल्ली। रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर एक के बाद एक दस मिसाइलें दागकर तबाही मचाई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के अनुसार, सोमवार रात रूस ने 135 ड्रोन और मिसाइलों से कई शहरों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। हमले में कई लोग घायल हुए और रिहायशी इमारतों समेत बिजली और रेलवे सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''सोमवार रात रूस ने हमारे शहरों और बस्तियों पर 135 ड्रोन और अलग-अलग तरह की दस मिसाइलों से हमला किया। इनमें ज्यादातर बैलिस्टिक मिसाइलें थीं। खार्कीव क्षेत्र में एक बच्चे समेत सात लोग घायल हुए। आम रिहायशी इमारतों, एक पेट्रोल पंप और रेलवे के ढांचे को नुकसान पहुंचा।' जेलेंस्की ने बताया कि चेर्निहिव क्षेत्र में भी तीन लोग घायल हुए।

रूस के हमले में एक रिहायशी इमारत और बिजली सप्लाई से जुड़ी सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे हजारों घरों की बिजली चली गई। मरम्मत करने वाली टीमें बिजली जल्द से जल्द बहाल करने में लगी हुई हैं। जापोरिज्जिया में भी एक अपार्टमेंट बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। राजधानी में 16 जगहों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एक सामान्य स्कूल और एक कारोबारी प्रतिष्ठान भी शामिल है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचंद्र गौड़ का निधन, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली। बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री रामचंद्र गौड़ा का निधन हो गया। उन्होंने मंगलवार को 88 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता रामचंद्र गौड़ा के निधन से गहरा दुख हुआ है। कर्नाटक में हमारी पार्टी के एक मजबूत स्तंभ के तौर पर उन्होंने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने और कई पीढ़ियों के कार्यकर्ताओं का साथ देने में अपना जीवन समर्पित कर दिया। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कॉरपोरेटर, एमएलसी या मंत्री- किसी भी भूमिका में, उनका सार्वजनिक जीवन अटूट निष्ठा और समर्पित सेवा का उदाहरण रहा। उनके परिवार, समर्थकों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।

केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने भी रामचंद्र गौड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें एक अनुभवी नेता बताया। शोभा करंदलाजे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि मुझे रामचंद्र गौड़ के निधन से दुख हुआ है।

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय क्रू मेंबर की मौत पर भारत सख्त, ईरान के सामने उठाया सुरक्षा का मुद्दा: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट के पास हुए हमले में एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत पर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि भारत ने इस घटना पर ईरान के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया है और ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ईरान के उप मिशन प्रमुख को तलब किए जाने के बाद हमने एक आधिकारिक बयान जारी किया था। हमने उनके सामने अपनी गहरी चिंता जताई और जो घटना हुई, उसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इस हमले में हमने एक अनमोल भारतीय नागरिक को खो दिया। कई भारतीय नागरिक घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है।

जायसवाल ने बताया कि हमने इस मामले पर ईरानी पक्ष के सामने अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और साफ कहा कि जिन हमलों की हमने निंदा की है, उन्हें तुरंत रोका जाना चाहिए। ओमान के समुद्र क्षेत्र में होर्मुज स्ट्रेट में दो ईरानी क्रूज मिसाइलों ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दो टैंकरों को निशाना बनाया। अमीरात न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि ईरानी हमले में एक भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, मोम्बासा और अल बहियाह नामक दोनों टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी मार्ग से गुजर रहे थे। हमले के दौरान दोनों टैंकर प्रभावित हुए।

हमले में मोम्बासा पर सवार एक भारतीय चालक दल के सदस्य की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हुए। इनमें चार की हालत गंभीर बताई गई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, घायलों में छह भारतीय और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

कानून-व्यवस्था में लापरवाही पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सख्त एक्शन

जयपुर। राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अनियमितता एवं दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर राजस्थान पुलिस सेवा के दो अधिकारियों एवं जेल सेवा की एक अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की मंजूरी दी है। जेल सेवा की अधिकारी को निलंबित करने तथा एक आरपीएस अधिकारी के विरूद्ध सीसीए नियम 16 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई तथा एक के विरूद्ध विभागीय जांच किए जाने की अनुमति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने महिला बंदी सुधार गृह, जयपुर में पदस्थापित उपाधीक्षक सरोज विश्नोई को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मुख्यालय जयपुर से भरतपुर किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। सरोज विश्नोई के विरूद्ध प्राप्त परिवाद में बताया गया था कि वे सुधार गृह की एक महिला बंदी को अपने साथ रखती थी और उस महिला बंदी का कार्यालय के कार्यों में हस्तक्षेप था। साथ ही, विश्नोई द्वारा पैसे लेकर बंदियों को नियम विरूद्ध सुविधाएं उपलब्ध करवाए जाने की भी शिकायत थी।

केजरीवाल ने दिल्ली दंगों के मुख्य आरोपी ताहिर हुसैन को दिया राजनीतिक संरक्षण : गौरव भाटिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आए न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए इसे न्याय, कानून, संविधान और जनता की जीत बताया। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर मुख्य अभियुक्त ताहिर हुसैन को राजनीतिक संरक्षण देने तथा कांग्रेस नेतृत्व पर भी दंगों के दौरान भड़काऊ माहौल बनाने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। गौरव भाटिया ने कहा कि सोमवार को दिल्ली दंगों को लेकर न्यायपालिका ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। यह फैसला ऐतिहासिक होने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करता है कि आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की जिस तरह जघन्य हत्या की गई, उस मामले में पांच लोगों को दोषी ठहराया गया है। अभी पूरा निर्णय सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है और उसका अध्ययन नहीं हो पाया है, लेकिन जो टिप्पणियां अब तक सामने आई हैं, उनके आधार पर हम 'आप' के संयोजक अरविंद केजरीवाल तथा कांग्रेस पार्टी के सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा की गई ओछी व घटिया राजनीति को न्यायालय की टिप्पणियों के संदर्भ में सभी के समक्ष रखना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले का प्रमुख अभियुक्त ताहिर हुसैन है। जब यह जघन्य अपराध हुआ, उस समय ताहिर हुसैन आम आदमी पार्टी का निर्वाचित पार्षद था और अरविंद केजरीवाल का खास था। ताहिर हुसैन कानून और हिंदुओं से नफरत करने वाला व्यक्ति है। जब अंकित शर्मा अपने कर्तव्य का पालन करते हुए भीड़ के सामने आए, तब आम आदमी पार्टी में अरविंद केजरीवाल के दाहिने हाथ रहे ताहिर हुसैन ने भड़काऊ बयान दिए और इस पूरी घटना को अंजाम दिया। अब सवाल यह उठता है कि जब दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार थी, तब उनके पार्षद ताहिर हुसैन पर दंगा कराने और एक आईबी अधिकारी की हत्या कराने के आरोप लगे। भाजपा ने इस

मुद्दे पर पूरी प्रखरता के साथ प्रेस वार्ता की थी और यह जनता का मुद्दा था। यदि कोई इस मामले में मिट्टी का तेल लेकर चल रहा था, तो वह अरविंद केजरीवाल थे।

जब मार्च 2020 में यह मुद्दा संसद के पटल पर आया था, तब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने वक्तव्य में कहा था कि जो भी आरोपी हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा, एक-एक को पकड़ा जाएगा और उन्हें सजा मिलेगी। आज जब यह फैसला आया है, तो यह कहना गलत नहीं होगा कि यह न्याय, जनता, कानून और संविधान की जीत है। भाटिया ने कहा कि यदि आज भी ताहिर हुसैन को कोई राजनीतिक संरक्षण दे रहा है, तो वह अरविंद केजरीवाल हैं। आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान ने बयान दिया है कि देश के न्यायालय ने साक्ष्यों, प्रमाणों और गवाहों की गवाही के आधार पर जो सजा दी है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार अंकित शर्मा के शरीर पर 51 बार चाकू से वार किए जाने के निशान थे।

ताहिर हुसैन को दोषी ठहराए जाने पर भाजपा के हमले के बीच केजरीवाल बोले- उसका आप से कोई संबंध नहीं

नई दिल्ली। 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के दोषी ठहराए जाने पर हो रही आलोचना के बीच पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को खुद को इस मामले से अलग करने की कोशिश की। केजरीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि हमने उसे बहुत पहले ही पार्टी से निकाल दिया था।

उनका यह जवाब भाजपा की तीखी आलोचना के बाद आया है, जिसमें पार्टी ने अपने ही एक नेता के दोषी ठहराए जाने पर आप नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए थे। सोमवार को दिल्ली की एक अदालत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) अधिकारी अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या के मामले में ताहिर हुसैन और चार अन्य को दुश्मनी फैलाने, दंगा करने, मारपीट, आपराधिक बल प्रयोग और हत्या में दोषी पाया गया। वे इस मामले पर आगे आकर कुछ क्यों नहीं कह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कमीडियन समय रैना पर लगाया 3 लाख का जुर्माना, कहा- 'अदालत को बेवकूफ बनाया है'

नई दिल्ली। कंट्रोवर्सियल शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में होस्ट समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया और अन्य इन्फ्लुएंसर्स द्वारा दिव्यांगों का मजाक उड़ाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान फटकार लगाते हुए कहा कि कमीडियन समय रैना ने अदालत को बेवकूफ बनाने की कोशिश की है और सुप्रीम कोर्ट के सामने गलत बयान दिए हैं। इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अदालत ने समय रैना समेत इंडिया गॉट लेटेंट के विवादित शो में शामिल रहे कमीडियन और अन्य गेस्ट्स पर 3-3 लाख का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कड़ी चेतावनी दी है कि यदि जुर्माने की राशि दो हफ्ते में जमा नहीं की गई, तो उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना और अन्य कमीडियन्स से सवाल पूछा कि उन्होंने अपने अंदर सुधार लाने के लिए क्या किया है? मामले की सुनवाई के दौरान क्योर एसएमए फाउंडेशन की तरफ से पेश हुईं सीनियर एडवोकेट अपराजिता सिंह ने अदालत को बताया कि समय रैना ने पहले यह भरोसा दिलाया था कि उन्होंने दिव्यांगों के लिए कुछ इवेंट्स आयोजित किए हैं, लेकिन कोर्ट के निर्देश के बावजूद उन्होंने संस्था से कोई संपर्क नहीं किया।

संस्था के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि समय रैना की तरफ से इस पूरे मामले पर कोई माफी नहीं मांगी गई है। क्योर एसएमए फाउंडेशन का आरोप है कि समय रैना ने 'दैट कॉमेडी क्लब' में स्टैंडअप में स्पाइनल मस्क्यूलर अट्रॉफी (एसएमए) से पीड़ित एक नेत्रहीन नवजात का मजाक उड़ाया था, जिसे जीवित रहने के लिए 16 करोड़ के इंजेक्शन की जरूरत थी। उन्होंने कहा था, ''देखो, चैरिटी अच्छी बात है, करनी चाहिए। मैं एक चैरिटी देख रहा था, जिसमें एक दो महीने का बच्चा है, जिसे कुछ तो क्रेजी हो गया था। इलाज के लिए उसे 16 करोड़ रुपए का इंजेक्शन चाहिए था।''

एचपीसीएल ने पेट्रोल की गुणवत्ता के लिए पूरे देश में किए 3,500 से ज्यादा निरीक्षण

नई दिल्ली। देश भर में पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अपने व्यापक गुणवत्ता निगरानी अभियान के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि देश भर में अपने रिटेल आउटलेट्स पर एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर निरीक्षण और परीक्षण किए गए। इस दौरान ईंधन में मिलावट, प्रदूषण या गुणवत्ता संबंधी किसी भी गंभीर अनियमितता का एक भी मामला सामने नहीं आया।

एचपीसीएल ने एक बयान में कहा कि 7 जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच कंपनी के फील्ड अधिकारियों ने देश भर के 2,173 पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण किए, ताकि एथेनॉल ब्लेंडिंग के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

इसके अलावा, 3 जुलाई से 13 जुलाई 2026 के बीच नियमित गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत 1,385 नियमित निरीक्षण भी किए गए। कंपनी ने बताया कि निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए

उसकी क्वालिटी एश्योरेंस सेल (एंटी-एडल्टरेशन सेल) ने 93 अतिरिक्त औचक निरीक्षण किए। वहीं, मोबाइल प्रयोगशालाओं की मदद से 49 ईंधन नमूनों की जांच भी की गई। सभी परीक्षणों में ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाया गया और कहीं भी मिलावट, दूषण या गुणवत्ता संबंधी किसी भी प्रकार की गंभीर गड़बड़ी नहीं मिली।

एचपीसीएल का कहना है कि कंपनी पूरे देश में ईंधन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बहु-स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली अपनाती है। इसके तहत नियमित फील्ड निरीक्षण, अचानक जांच, प्रयोगशाला परीक्षण और लगातार निगरानी की जाती है, ताकि उपभोक्ताओं तक निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन पहुंच सके।

कंपनी ने दोहराया कि उसका उद्देश्य देश भर में अपने सभी रिटेल आउटलेट्स के माध्यम से ग्राहकों को सुरक्षित, भरोसेमंद और उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम लगातार जारी रहेगा, ताकि ईंधन की शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं का भरोसा कायम रहे। ऐसे में ईंधन की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर उठने वाले सवालों के बीच इस प्रकार की निगरानी व्यवस्था को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संपादकीय

नमस्कार!

आप यह संपादकीय पढ़ रहे हैं। हो सकता है इसे अपने हाथों में पकड़कर पढ़ रहे हों। हो सकता है मोबाइल की स्क्रीन पर पढ़ रहे हों। माध्यम अलग हो सकता है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि कुछ मिनट के लिए हम दोनों केवल बात करें। बिना किसी शोर के। बिना किसी जल्दबाज़ी के।

मुझे वर्ष 2004 याद आता है।

पत्रकारिता में मेरा पहला कदम। तब न्यूज़रूम की पहचान कंप्यूटर की चमक से नहीं, टाइपराइटर की खटखट, प्रूफ की लाल स्याही और प्रेस मशीनों की गूँज से होती थी। एक खबर छपने से पहले कई आँखों से गुजरती थी।

शब्दों को परखा जाता था, तथ्यों को टटोला जाता था और फिर अगले दिन सुबह अख़बार पाठकों के दरवाज़े पर दस्तक देता था।

आज तस्वीर बदल चुकी है। समाचार अब इंतज़ार नहीं करते। घटनाएँ घटती हैं और कुछ ही सेकंड में दुनिया के हर कोने तक पहुँच जाती हैं। प्रिंट से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आया। इलेक्ट्रॉनिक से डिजिटल। डिजिटल से सोशल मीडिया और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता—एआई—ने पत्रकारिता के सामने एक नया संसार खोल दिया है।

लेकिन क्या केवल माध्यम बदलने से पत्रकारिता बदल जाती है?

मैं ऐसा नहीं मानता। समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप बदलता रहा है और आगे भी बदलता रहेगा।

शायद आने वाले वर्षों में समाचार पढ़ने का तरीका भी बदल जाए। हो सकता है अख़बार की जगह कोई और तकनीक ले ले। हो सकता है एआई कुछ ही क्षणों में समाचार भी लिख दे। लेकिन हर बदलाव के भीतर एक प्रश्न हमेशा रहेगा—सच कहाँ है? समाज का पक्ष कौन रखेगा? सत्ता से सवाल कौन पूछेगा? और आम आदमी की आवाज़ कौन बनेगा?

यहीं से पत्रकारिता शुरू होती है।

पत्रकारिता किसी मशीन का नाम नहीं है। वह केवल कैमरा, माइक्रोफोन, वेबसाइट या अख़बार भी नहीं है। पत्रकारिता एक चेतना है।

एक दृष्टि है। एक निरंतर चलता हुआ चिंतन है। और जब तक यह चेतना जीवित है, तब तक पत्रकारिता भी जीवित रहेगी। मैंने अपने जीवन में पत्रकारिता के कई रंग देखे हैं। चुनावी मैदान देखे हैं। बाढ़ और सूखे की रिपोर्टिंग देखी है। सत्ता के गलियारों की चमक भी देखी है और गाँव की धूल भरी पगडंडियों पर चलते हुए उन चेहरों को भी देखा है, जिनकी खबर शायद कभी सुर्खियाँ नहीं बनती।

तब समझ में आया कि पत्रकारिता की सबसे बड़ी ताकत बड़े लोगों तक पहुँचना नहीं, बल्कि उन लोगों तक पहुँचना है जिनकी आवाज़ कहीं दर्ज नहीं होती। इसीलिए, जब भी पत्रकारिता की आत्मा की बात होती है, मेरा मन आज भी प्रिंट की ओर लौट जाता है। क्यों?

क्योंकि अख़बार केवल खबर नहीं देता, वह ठहरकर सोचने का अवसर देता है। वह पाठक को निर्णय थोपता नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रश्न जगाता है। उसकी स्याही में केवल शब्द नहीं होते, समय की गवाही होती है। वर्षों बाद भी कोई पुराना अख़बार खोलिए, आपको केवल घटनाएँ नहीं मिलेंगी;

उस दौर का समाज, उसकी राजनीति, उसकी संस्कृति और उसकी सोच भी दिखाई देगी। शायद इसी कारण मुझे हमेशा लगता है कि पत्रकारिता का असली स्वरूप प्रिंट में सबसे अधिक दिखाई देता है।

इसका अर्थ यह नहीं कि बाकी माध्यम कम महत्वपूर्ण हैं। बिल्कुल नहीं। हर माध्यम का अपना महत्व है, अपनी भूमिका है। टीवी ने गति दी, डिजिटल ने पहुँच बढ़ाई और एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है।

हमें इन सबका स्वागत करना चाहिए। क्योंकि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जो समय के साथ नहीं बदलता, वह पीछे छूट जाता है। लेकिन बदलते समय में भी कुछ बातें नहीं बदलनी चाहिए।

तथ्यों के प्रति ईमानदारी।

समाज के प्रति संवेदनशीलता।

सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस।

और सबसे बढ़कर, अपने पाठकों के विश्वास की रक्षा।

यही पत्रकारिता की असली पूँजी है।

इन्हीं विचारों के साथ यह साप्ताहिक समाचार पत्र आपके हाथों में है। यह केवल कुछ पन्नों का प्रकाशन नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभव, विश्वास और समाज से जुड़े रहने की एक विनम्र कोशिश है।

हमारा उद्देश्य केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं होगा। हम उन खबरों के पीछे छिपे अर्थ को भी समझने का प्रयास करेंगे। हम गाँव की चौपाल से लेकर शहर के चौराहे तक, किसान से लेकर युवा तक, साहित्य से लेकर समाज तक, हर उस विषय को स्थान देंगे जो जनजीवन को प्रभावित करता है। हमसे भूल भी होगी। कमियाँ भी रहेंगी। लेकिन एक वादा अवश्य रहेगा—सत्य की तलाश कभी नहीं रुकेगी। संवाद कभी नहीं टूटेगा। और समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कभी कम नहीं होगी। पत्रकारिता का स्वरूप बदलता रहेगा।

यह पहले भी बदलता रहा है और आगे भी बदलेगा। नए माध्यम आएँगे, नई तकनीकें आएँगी, नई चुनौतियाँ भी सामने होंगी। लेकिन हर बदलाव के साथ चेतना भी चलेगी और चिंतन भी। यही चेतना पत्रकारिता को जीवित रखेगी, यही चिंतन उसे सार्थक बनाएगा। अंत में बस इतना ही—

अगर इस समाचार पत्र को पढ़ते समय आपको केवल खबरें नहीं, बल्कि अपने समय की धड़कन सुनाई दे; अगर आपको लगे कि यहाँ आपकी बात भी कही जा रही है; अगर आपको महसूस हो कि शब्द अभी भी समाज बदलने की ताकत रखते हैं—

तो समझिए, हमारी यह यात्रा सफल हो रही है।

आइए, खबरों से आगे बढ़कर विचारों का भी एक संसार रचें।

आपका —प्रदीप

देश की पहली विधान सभा जहां हो रहा है अमृत उत्सव - स्पीकर वासुदेव देवनानी ने अमृत उत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में 75वें वर्ष पर बुधवार को वर्तमान और पूर्व विधायकों का समागम कार्यक्रम होगा। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को इस अमृत उत्सव के पहले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। देवनानी ने कार्यक्रम स्थल और उससे संबंधित सभी व्यवस्थाओं को बारिकी से देखा। देवनानी ने मौके पर अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाओं के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से आने वाले पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किये गये है। विशेष रूप से वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध पूर्व विधायकों के प्रवास, उनके आवागमन, चिकित्सा संबंधी सभी व्यवस्थाएं की गई है। देवनानी ने कहा कि अमृत उत्सव का यह पहला कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में विधान सभा के वर्तमान और पूर्व विधायक शामिल होंगे। पूर्व विधायकगण का मंगलवार से जयपुर पहुँचना आरम्भ हो गया है। जयपुर के सर्किट हाउस, डाक बंगला, विधायक आवास गेस्ट हाउस और पंचायतीराज संस्थान के गेस्ट हाउस में ठहरने की व्यवस्था की गई है। राजस्थान से निर्वाचित लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को भी समारोह में आमंत्रित किया गया है। अमृत उत्सव की तैयारियां विधान सभा में जोर-शोर से चल रही है। शहर में अतिथियों के स्वागत में होर्डिंग लगाये गये है। राजस्थान विधान सभा भवन को अमृत महोत्सव की पूर्व संध्या पर रोशनी से सजाया गया है। देवनानी ने कहा कि विधान सभा में ऐसा कार्यक्रम पहली बार हो रहा है। यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। स्पीकर देवनानी ने कहा कि समारोह में उप राष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। लोकसभा अध्यक्ष उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। समारोह का शुभारम्भ बुधवार को प्रातः 10 बजे से होगा। समापन समारोह इसी दिन सांय 4 बजे होगा। समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा अतिविशिष्ट अतिथि होंगे। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नेता प्रतिपक्ष श्री टीकाराम जूली और राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सचिव संदीप शर्मा भी समारोह में शामिल होंगे। विधान सभा के अमृत काल के इस अद्भुत संगम के दौरान मध्यान्ह में आयोजित होने वाले दो सत्रों में 75 साल में पारित हुए महत्वपूर्ण कानूनों पर चर्चा होगी।

कोलायत में सियासी ड्रामा : मंत्री के कार्यक्रम में विधायक अंशुमान सिंह की तस्वीर गायब होने पर हंगामा

कोलायत (बीकानेर)। कोलायत विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक सरकारी व राजनीतिक कार्यक्रम में उस समय माहौल गरमा गया जब मंच पर लगे पोस्टरों से स्थानीय विधायक की तस्वीर गायब मिली। कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा के लाभार्थी सम्मेलन और जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान विधायक अंशुमान सिंह भाटी के समर्थकों ने बैनर-पोस्टर पर अपने नेता की फोटो न होने पर गहरी आपत्ति जताते हुए जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। मंच पर अचानक बढ़ी इस सियासी तकरार और हंगामे को देखते हुए खुद कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा को आगे आना पड़ा और उन्होंने बड़ी सूझबूझ से स्थिति को संभाला। मंत्री के इस डैमेज कंट्रोल वाले बयान के बाद आखिरकार मामला शांत हुआ और कार्यक्रम आगे बढ़ सका।

एसीबी मुख्यालय में मिले 10,000 रुपए कॉन्स्टेबल अमर सिंह ने जमा कराकर पेश की सत्यनिष्ठा की अनूठी नजीर

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) राजस्थान के मुख्यालय से ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का एक बेहद प्रेरणादायक मामला सामने आया है। मुख्यालय में तैनात एक कॉन्स्टेबल-चालक ने परिसर में लावारिस मिले हजारों रुपये सुरक्षित जमा कराकर विभाग और समाज के सामने नैतिकता का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

जानकारी के अनुसार, एसीबी मुख्यालय में कार्यरत कॉन्स्टेबल-चालक अमर सिंह, जो वर्तमान में पुलिस उपमहानिरीक्षक (DIG) प्रशासन के ड्राइवर के पद पर पदस्थापित हैं,

को मंगलवार को मुख्यालय परिसर में अचानक 10,000 (दस हजार रुपये) नकद लावारिस अवस्था में गिरे हुए मिले। आमतौर पर लावारिस नकदी को देखकर लोगों की नीयत डगमगा जाती है, लेकिन अमर सिंह ने अपनी सत्यनिष्ठा का परिचय दिया।

उन्होंने बिना एक पल की देरी किए तुरंत इसकी सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी। कॉन्स्टेबल अमर सिंह ने ईमानदारी दिखाते हुए उक्त संपूर्ण राशि को नियमानुसार पुलिस अधीक्षक (प्रशासन), एसीबी मुख्यालय कार्यालय में पूरी तरह सुरक्षित जमा करा दिया।

इस राशि को जमा कराने का मुख्य उद्देश्य यह है कि सीसीटीवी (CCTV) फुटेज या अन्य माध्यमों से जांच कर इसके वास्तविक स्वामी की पहचान की जा सके और उसे उसकी अमानत सुरक्षित लौटाई जा सके। ब्यूरो ने आधिकारिक तौर पर कहा कि: अमर सिंह का यह सराहनीय आचरण एसीबी के मूल नैतिक मूल्यों और कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करता है।

दौसा आरटीओ ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप : जोधपुर परिवहन कार्यालय को आया था ई-मेल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। जिला मुख्यालय पर स्थित प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (RTO) को मंगलवार को बम से उड़ाने की एक सनसनीखेज धमकी मिलने के बाद पूरे प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। धमकी की गंभीरता को देखते हुए एहतियात के तौर पर पूरे आरटीओ कार्यालय को तुरंत खाली करा लिया गया और सुरक्षा बलों ने पूरे परिसर की सघन तलाशी ली। जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट करने वाली यह धमकी सीधे दौसा नहीं, बल्कि जोधपुर परिवहन कार्यालय को एक ई-मेल के जरिए मिली थी। ई-मेल में खौफनाक चेतावनी दी गई थी कि: 'दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे के बीच दौसा आरटीओ (RTO) कार्यालय को 'जहरीली गैस' वाले बम से उड़ा दिया जाएगा।' जिसके बाद दौसा आरटीओ ऑफिस को तत्काल अलर्ट मोड पर लाया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जल्द मिलेगा बकाया मानदेय, ग्रेच्युटी और इंक्रीमेंट के आदेश भी शीघ्र : निदेशक ने दिया भरोसा

जयपुर, थिंक राजस्थान

दौसा/जयपुर। राजस्थान आंगनबाड़ी कर्मचारी महासंघ का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भारतीय मजदूर संघ (BMS) के प्रदेश महामंत्री मुकेश सोलंकी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक वासुदेव मालावत से मिला। लोकभवन में आयोजित इस महत्वपूर्ण वार्ता के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की लंबे समय से लंबित समस्याओं एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की। निदेशक ने सभी समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उनके त्वरित समाधान का ठोस आश्वासन दिया।

जल्द होगा भुगतान : निदेशक वासुदेव मालावत ने स्पष्ट किया कि मानदेय भुगतान में आ रही तकनीकी परेशानी (Technical Glitch) को पूरी तरह दूर कर लिया गया है। अब बहुत जल्द समस्त जिलों में बजट ट्रांसफर कर भुगतान प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

एक साथ आएगा मानदेय : उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि आगामी एक से दो महीने के भीतर व्यवस्था को पूरी तरह पटरी पर लाते हुए पूर्व की भांति राज्य सरकार और केंद्र सरकार के अंशदान का मानदेय एक साथ कार्यकर्ताओं के खातों में जमा कराया जाएगा। इस पर निदेशक ने कहा कि मुख्यालय स्तर से राज्य सरकार को पत्र लिखकर निवेदन किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी करेंगी आईडब्ल्यूटीसी सीजन-3 का उद्घाटन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर के दिल्ली रोड स्थित होटल फेयरमॉन्ट में 19 और 20 जुलाई को आयोजित होने वाले इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्ल्यूटीसी) सीजन-3 का शुभारंभ राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी करेंगी। कॉन्क्लेव के डायरेक्टर अरशद हुसैन ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रतिष्ठित आयोजन में आंध्र प्रदेश पर्यटन आधिकारिक भागीदार के रूप में शामिल है। बल्कि पर्यटन और वेडिंग उद्योग के लिए नए अवसरों का सृजन करने वाला महत्वपूर्ण आयोजन है।

अलवर में एसीबी की कार्रवाई : अरावली विहार थाने का एएसआई शंकर लाल शर्मा 10,000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर/अलवर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) मुख्यालय के निर्देश पर अलवर प्रथम चौकी ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी ने अरावली विहार थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक (ASI) शंकर लाल शर्मा को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने अलवर प्रथम चौकी पर एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार: परिवादी के पुत्र के विरुद्ध अरावली विहार थाने में प्रकरण संख्या 269/26 दर्ज है। इस मामले के जांच अधिकारी (IO) सहायक उप निरीक्षक शंकर लाल शर्मा मुकदमे से परिवादी के लड़के का नाम निकालने, उसके साथ मारपीट नहीं करने और केस में मदद करने की एवज में 25,000 रुपये की रिश्वत मांगकर परेशान कर रहे थे। आरोपी एएसआई 13 जुलाई 2026 की सुबह परिवादी के घर पहुंचा और वहां परिवादी व सहपरिवादी से 5,000 रुपये वसूल लिए। साथ ही बकाया 20,000 रुपये शाम तक लेकर आने के लिए दबाव बनाया। शिकायत मिलने के बाद एसीबी चौकी अलवर प्रथम ने मामले का गोपनीय सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान भी आरोपी शंकर लाल शर्मा ने परिवादी और सहपरिवादी से 10,000 रुपये की रिश्वत ले ली और बाकी के 10,000 रुपये बाद में देने की मांग की। रिश्वत की मांग की पुष्टि होने पर उप महानिरीक्षक पुलिस-प्रथम डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरवीजन में अलवर प्रथम चौकी प्रभारी और उप अधीक्षक शब्बीर खान के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। इस टीम ने मंगलवार को जाल बिछाकर जालसाज एएसआई शंकर लाल शर्मा को सहपरिवादी से 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही दबोच लिया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस. परिमला के सुपरवीजन में आरोपी से गहन पूछताछ और उसके ठिकानों पर तलाशी की कार्रवाई जारी है। एसीबी इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे का अनुसंधान करेगी।

प्रदेशभर में गर्भवती महिलाओं की होगी सघन स्क्रीनिंग, 15 जुलाई से शुरू होगा पांच दिवसीय विशेष अभियान

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं मातृ मृत्यु दर को और कम करने के लिए प्रदेशभर में सभी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य मानकों की सघन स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके लिए 15 जुलाई से 5 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जांचों का रिकॉर्ड संधारित कर उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी रखी जाएगी। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में इस संबंध में प्रदेश के सभी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फील्ड में कार्यरत आशा वर्कर, एएनएम एवं सीएचओ के माध्यम से स्क्रीनिंग का यह कार्य पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ करवाया जाए। गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच एवं नियमित स्क्रीनिंग में किसी भी तरह की लापरवाही पर आशा वर्कर, एएनएम, सीएचओ एवं संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने प्रजेन्टेशन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

राजस्थान/ प्रादेशिक

महर्षि दैवज्ञ चंडू जयंती पर उमड़ा सैलाब, 2000 से अधिक लोगों ने लिया निःशुल्क ज्योतिष परामर्श का लाभ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। महर्षि दैवज्ञ चंडू जयंती के पावन अवसर पर सूर्यनगरी जोधपुर में आयोजित निःशुल्क ज्योतिष परामर्श शिविर में लोगों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। सीता ज्योतिष एवं वास्तु अनुसंधान केंद्र, श्याम भक्ति सेवा संस्थान एवं मारवाड़ प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 2000 से अधिक जातकों ने विभिन्न ज्योतिषीय परामर्शों का लाभ उठाया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए देशभर से आए ज्योतिष विशेषज्ञों ने जन्मपत्री, वास्तु, अंक ज्योतिष, हस्तरेखा, टैरो एवं अन्य विधाओं के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण व्यास ने की। मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएफ के आईजी एम.एल. गर्ग उपस्थित रहे, जबकि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष मिश्रा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी अरुण माहेश्वरी और अरुणा सांखला के अलावा मारवाड़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजीव गौड़ अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद रहे, जबकि श्याम भक्ति सेवा संस्थान के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई,अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ लोगों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। शिविर का सफल आयोजन पंडित एस.के. जोशी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जानी मानी कवि और लेखिका अंशु हर्ष ने किया, जबकि श्याम भक्ति सेवा संस्थान के कार्यवाहक सचिव हेमंत लालवानी ने आभार अभिव्यक्ति प्रस्तुत की.कार्यक्रम आयोजक पंडित एस.के. जोशी बताया कि निःशुल्क परामर्श शिविर का उद्देश्य आमजन की ज्योतिषीय जिज्ञासाओं का समाधान करना तथा उन्हें जीवन की विभिन्न समस्याओं के संबंध में सकारात्मक और उपयोगी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासित व्यवस्था, विशेषज्ञों की सेवाओं और जनसहभागिता ने इसे एक यादगार एवं सफल सामाजिक पहल बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने अपने पारिवारिक, वैवाहिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य, व्यवसाय और करियर से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों से परामर्श लिया।

खाटू धाम व्यापार मंडल ने नव-नियुक्त थानाधिकारी, ईओ और जेईएन का किया सम्मान

जयपुर, थिंक राजस्थान

खाटूश्यामजी।(विनोद धायल) खाटू धाम व्यापार मंडल की ओर से सोमवार को नगर के नवनियुक्त कोतवाली थानाधिकारी इन्द्राज मरोड़िया, नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी शहदेव सिंह चारण तथा जेईएन पूरण मल कुमावत के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी अधिकारियों का साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान व्यापारियों ने नगर में कानून-व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। व्यापार मंडल अध्यक्ष सोनू जोशी ने कहा कि खाटूश्यामजी देशभर से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

राजस्थान में एक सप्ताह मौसम रहेगा शुष्क, 20 जुलाई के बाद बारिश बढ़ने की संभावना

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण-पश्चिम मानसून फिलहाल कमजोर पड़ गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है और कहीं भी अच्छी बारिश के आसार नहीं हैं। जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के ज्यादातर इलाकों में मौसम शुष्क रहा। हालांकि कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलने की सूचना मिली। फलोदी में राज्य का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.9 डिग्री सेल्सियस अजमेर में रिकॉर्ड किया गया। पूर्वी राजस्थान में भी अगले पांच से छह दिनों तक मौसम अधिकतर शुष्क रहने की संभावना है।

राजस्थान की 63 हजार आंगनबाड़ियों में आयोजित हुई PAM बैठक

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हर माह अमावस्या को आयोजित की जाने वाली PAM बैठक मंगलवार को प्रदेश के समस्त 63 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित की गई। आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि PAM बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावकों के साथ बच्चों की प्रगति, स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा पर चर्चा की गई। बैठक में पुरुष सदस्यों - पिता, दादा, चाचा को भी आमंत्रित कर उनकी सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। निदेशक ने बताया कि विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त उप निदेशक, बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं लेडी सुपरवाइजर द्वारा PAM बैठक का निरीक्षण किया गया। आईसीडीएस निदेशक द्वारा मालवीय नगर सेक्टर 10 में आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित PAM मीटिंग का किया गया निरीक्षण। व्यवहार परिवर्तन एवं पोषण से संबंधित जानकारी ली साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

AIIMS जोधपुर की बड़ी डिजिटल पहल : फॉलो-अप मरीजों को लंबी लाइनों से मुक्ति

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) जोधपुर ने अस्पताल आने वाले मरीजों के लिए डिजिटल हेल्थ की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। एम्स प्रशासन ने फॉलो-अप मरीजों (जो पहले से उपचाराधीन हैं) के लिए एक विशेष डिजिटल सुविधा शुरू की है। अब ऐसे मरीजों को हर बार नई पर्ची बनवाने या टोकन लेने के लिए घंटों लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा। अस्पताल पहुंचने के बाद मरीज इस बेहद आसान प्रक्रिया से अपनी पर्ची अपडेट कर सकते हैं: अपने मोबाइल में AIIMS Jodhpur Swasthya App खोलें। होम स्क्रीन पर दिए गए e-Visit विकल्प का चयन करें। अपनी पुरानी ओपीडी स्लिप या CR Number (सेंट्रल रजिस्ट्रेशन नंबर) दर्ज करें। संबंधित विभाग (Department) को चुनें जहां डॉक्टर को दिखाना है। लोकेशन सत्यापन (GPS Verification): ऐप आपके एम्स परिसर में होने की पुष्टि करेगा। इसके बाद सीधे विभाग में जाकर पर्ची जमा करा दें।

आयुर्वेद चिकित्सक संघ ने नवपदस्थ अधिकारियों का किया सम्मान, डॉ. बैरवा बने अतिरिक्त निदेशक

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। आयुर्वेद चिकित्सक संघ की ओर से जिला अध्यक्ष डॉ. विष्णु बंशीवाल के सानिध्य में नवपदस्थ अधिकारियों के सम्मान में एक भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विभाग के उच्च पदों पर नियुक्त हुए वरिष्ठ अधिकारियों का पारंपरिक रूप से साफा, पगड़ी, माला और उपरणा पहनाकर स्वागत किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों का हुआ भव्य अभिनंदन समारोह के दौरान आयुर्वेद विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थापित हुए निम्नलिखित अधिकारियों

का स्मृति चिन्ह भेंट कर विशेष सम्मान किया गया:

डॉ. रमेश चंद्र बैरवा : अतिरिक्त निदेशक, आयुर्वेद विभाग, संभाग उदयपुर।

डॉ. राकेश सोलंकी : सहायक निदेशक, अतिरिक्त निदेशक कार्यालय, उदयपुर।

इसके साथ ही विभाग के प्रशासनिक ढांचे में पदोन्नत व पदस्थापित हुए अन्य अधिकारियों का भी अभिनंदन किया गया, जिनमें शामिल हैं:

नाथूलाल माली : अतिरिक्त कोष अधिकारी।

हरिशंकर पुजारी : प्रशासनिक अधिकारी, उपनिदेशक कार्यालय उदयपुर।

ललित उपाध्याय : अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, उपनिदेशक कार्यालय उदयपुर।

"अनुभव और कार्यकुशलता से विभाग को मिलेगी नई गति"

समारोह को संबोधित करते हुए संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. विष्णु बंशीवाल ने सभी नवपदस्थ अधिकारियों को नई सांगठनिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

भरतपुर में लग्जरी और स्लीपर बसों पर बड़ा एक्शन : सेवर टोल प्लाजा पर सघन जांच; इमरजेंसी गेट गायब मिलने पर बसें जब्त

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। लग्जरी और स्लीपर बसों में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के नेतृत्व में मंगलवार को एक बड़ा विशेष अभियान चलाया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों पर हुई इस कार्रवाई के तहत परिवहन विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने सेवर टोल प्लाजा पर नाकाबंदी कर बसों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान सुरक्षा मानकों में भारी खामियां मिलने पर नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों के चालान काटे गए और गंभीर अनियमितता वाली बसों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। नियमों की उड़ी धज्जियां: बस में नहीं मिला 'इमरजेंसी एग्जिट गेट' प्राधिकरण के सचिव नवीन कुमार किलानिया के नेतृत्व में टीम ने बसों में मोटर वाहन अधिनियम, AIS-2016 तथा राजस्थान सरकार द्वारा जारी एसओपी (SOP)-2024 की पालना की बारीकी से जांच की।

निरीक्षण के दौरान तब अधिकारी भी हैरान रह गए जब एक लग्जरी बस में यात्रियों की आपातकालीन सुरक्षा के लिए अनिवार्य 'इमरजेंसी एग्जिट गेट' (आपातकालीन द्वार) ही गायब मिला। इसके अलावा अन्य कई बसों में भी क्षमता से अधिक सीटें, स्लीपर केबिन में अवैध बदलाव और सुरक्षा उपकरणों की कमी जैसी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। संयुक्त टीम ने तुरंत एक्शन लेते हुए दोषी बसों के खिलाफ जब्ती और चालान की सख्त कार्रवाई की। प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए यात्रियों को दूसरी वैकल्पिक बसों में शिफ्ट कर उनके गंतव्य (मंजिल) के लिए रवाना किया।

"पहले निदान, बेहतर उपचार और जिम्मेदार चिकित्सा" विषय पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। समय पर और सटीक जांच से बीमारियों का बेहतर उपचार संभव है। आधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीकें चिकित्सकों को सही समय पर सही निर्णय लेने में मदद कर रही हैं। यह बात जयपुर में आयोजित एक सीएमई (सतत चिकित्सा शिक्षा) कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कही। राजस्थान की डायग्नोस्टिक संस्था डॉ. बी. लाल क्लिनिकल लेबोरेटरी ने जयपुर के एक होटल में चिकित्सकों के लिए "द डायग्नोसिस डिविडेंड 2026 – पहले निदान, बेहतर उपचार और जिम्मेदार चिकित्सा" विषय पर सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों को आधुनिक जांच पद्धतियों, सटीक चिकित्सा और संक्रमण प्रबंधन से जुड़ी नई वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना था। इससे मरीज को सही समय पर उचित इलाज मिल पाता है और उपचार के बेहतर परिणाम सामने आते हैं।

जोधपुर में दिल दहला देने वाला हादसा : पानी के होद में डूबने से तीन मासूम सगे व चचेरे भाइयों की मौत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर/चामू। जोधपुर जिले की चामू तहसील के ग्राम पंचायत प्रहलादपुरा स्थित स्वामियों की ढाणियों में सोमवार को एक रोंगटे खड़े कर देने वाला हृदयविदारक हादसा सामने आया है। यहां एक खेत में बने पानी के होद (टांके) में डूबने से तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। इस भीषण हादसे के बाद से पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को तीनों बच्चे खेलते-खेलते पानी के होद के पास चले गए थे। इसी दौरान पैर फिसलने या अन्य किसी कारणवश तीनों गहरे पानी में समा गए। मृतकों की पहचान इस प्रकार हुई है-महेश गिरी (13 वर्ष) पुत्र श्रवण गिरी, जसवंत गिरी (10 वर्ष) पुत्र जगदीश गिरी, खुशाल गिरी (12 वर्ष) पुत्र जगदीश गिरी।

मृतकों में जसवंत और खुशाल सगे भाई थे, जबकि महेश उनका चचेरा भाई था। एक ही घर के तीन चिरागों के असमय बुझ जाने से पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे का पता चलते ही आस-पास के ग्रामीण और परिजन चीख-पुकार सुनकर तुरंत मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को होद से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और तीनों मासूमों की सांसें थम चुकी थीं। इस दर्दनाक हादसे की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को स्थानीय अस्पताल के मोर्चरी भिजवाया, जहां आवश्यक विधिक व प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है। चामू थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के वास्तविक कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद से प्रहलादपुरा गांव के किसी भी घर में चूल्हा तक नहीं जला है और हर आंख नम है। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है। जिस घर में कुछ घंटे पहले तक बच्चों की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। परिजनों का विलाप सुनकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

टेंडर के 3 साल बाद भी अधूरी सड़क : RTO ऑफिस–सारण नगर ब्रिज–बनाड़ कैंट मार्ग बदहाल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। शहर के आरटीओ (RTO) ऑफिस से सारण नगर ब्रिज होते हुए बनाड़ कैंट तक जाने वाला मुख्य मार्ग आज भी विकास के दावों को मुंह चिढ़ा रहा है। वर्ष 2023 में इस सड़क का टेंडर जारी होने के बावजूद, आज 2026 में भी निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। सड़क की इस बदहाल स्थिति के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को रोजाना जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों में प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पूरी सड़क पर

जगह-जगह गहरे गड्ढे हो चुके हैं और डामर की सतह पूरी तरह उखड़ चुकी है। सड़क पर फैली नुकीली कंकरी के कारण दुपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। इस मार्ग पर यातायात का भारी दबाव रहता है, लेकिन सड़क की दुर्दशा के कारण यहां हर समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) के अधिकारियों से मुलाकात की और सड़क की बदहाली से अवगत कराया। इतना ही नहीं, जिला कलक्टर को भी इस संबंध में लिखित ज्ञापन सौंपा जा चुका है। इसके बावजूद, पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन की ढीली कार्यप्रणाली के कारण निर्माण कार्य जस का तस लंबित पड़ा है। सड़क की खराबी के साथ-साथ इस मार्ग पर एक और बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। भू-माफिया और अज्ञात लोग रात के अंधेरे में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से सड़क के किनारे अवैध रूप से मलबा और कचरा डाल जाते हैं।

खतरनाक हुआ सफर: मलबे के ढेरों के कारण चौड़ी सड़क अब बेहद संकरी और खतरनाक हो चुकी है। अधूरी पड़ी सड़क का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर तुरंत शुरू कर इसे जल्द पूरा कराया जाए।

स्वदेशी जेंडर सॉर्टेड सीमन तकनीक से राजस्थान के पशुपालकों को मिल रहा है अधिक लाभ

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के पशुपालकों की आय में वृद्धि, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तथा देशी पशुधन के वैज्ञानिक नस्ल सुधार को गति देने के उद्देश्य से राजस्थान सरकार स्वदेशी जेंडर सॉर्टेड सीमन तकनीक के व्यापक उपयोग को गति दे रही है। कम लागत वाली इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली बछियों के जन्म की संभावना बढ़ती है, जिससे पशुपालकों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ प्राप्त होता है। इसी दृष्टिकोण के साथ राजस्थान आज देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जहां इस तकनीक को बड़े स्तर पर किसानों के हित में अपनाया जा रहा है। हाल ही में कुछ क्षेत्रों से जेंडर सॉर्टेड सीमन के परिणामों को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

रिपोर्ट में सीमन की गुणवत्ता व तकनीक में किसी भी प्रकार की कमी नहीं पाई गई। इस विषय पर पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत एवं पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत संवाद किया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि राज्य सरकार किसानों के हित में स्वदेशी जेंडर सॉर्टेड सीमन तकनीक के उपयोग के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

मनोरंजन समाचार

समय रैना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कॉमेडियन पर लगाया 3 लाख का जुर्माना, कहा- 'गलत बयान दिए, अदालत को बहुत घुमाया'

सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन समय रैना के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि समय रैना ने अदालत को गुमराह किया और सुप्रीम कोर्ट के सामने गलत बयान दिए। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना पर 10 लाख का जुर्माना लगाया था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 3 लाख रुपये कर दिया और साथ ही इसे समय पर जमा करने के आदेश दिए हैं। ऑर्डर मे सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना समेत 'इंडिया गॉट लेटेंट' के विवादित एपिसोड में शामिल रहे कॉमेडियन पर 3-3 लाख का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर तय समय के भीतर यह जुर्माना जमा नहीं किया गया, तो समय रैना के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि समय रैना ने अदालत को हल्के में लिया और उनके द्वारा दिए गए बयान सही नहीं पाए गए। कोर्ट के मुताबिक, 'रैना ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया और गलत बयान दिए।' इस तरह के व्यवहार को नजरअंदाज न करते हुए, बेंच ने कॉमेडियन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि अगर तय समय के अंदर यह रकम जमा नहीं की गई, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि, समय रैना ने न्यायिक प्रक्रिया को हल्के में लिया और पाया कि उनके सामने दिए गए बयान सही नहीं थे। 'बार एंड बेंच' के अनुसार, ये सुनवाई 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर दर्ज FIR से जुड़ी कार्यवाही के सिलसिले में हुआ। यह मामला यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया से भी जुड़ा है, जिनके शो पर पहले रोक लगा दी गई थी, लेकिन बाद में यह रोक हटा ली गई क्योंकि उन्होंने दिव्यांग लोगों को शामिल करके जागरूकता कार्यक्रम बनाने का वादा किया था। सुनवाई के दौरान, वकील अपराजिता सिंह ने रैना के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए कोर्ट से कहा, 'अब हमें उनके शो के बारे में बात करना भी बुरा लगता है। वह कुछ दिव्यांग लोगों को खास जगहों पर बुलाकर शो करते हैं। समय रैना जैसे लोग युवाओं के लिए आइकॉन माने जाते हैं। यह सोचकर ही मुझे घिन आती है।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी कहा, 'हमारे युवाओं के पास बेहतर आइकन हैं।' रैना पर कड़ी टिप्पणी करते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कहा, 'समय रैना ने अदालत को गुमराह किया है और इस अदालत के आदेशों का बेशर्मी से उल्लंघन किया है। गलत व्यवहार तब और बढ़ जाता है जब रिकॉर्ड पर कुछ भी न होने के बावजूद हलफनामा दायर किया जाता है।' मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा- 'अगर आप अपना व्यवहार सुधारना या समाज के लोगों की भावनाओं का सम्मान करना नहीं जानते हैं, तो आपको इसके नतीजे भुगतने होंगे।' इसके बाद बेंच ने 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया और इसे दो सप्ताह के भीतर जमा करने का निर्देश दिया, जिसे बाद में घटाकर 3 लाख कर दिया गया। बता दें, पूरा विवाद समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के जनवरी 2025 के एक एपिसोड से जुड़ा है, जिसमें यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया ने अभिभावकों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

'फुंसुक वांगडू को मरने मत देना', भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत देख '3 इडियट्स' के चतुर ने जोड़े हाथ

सुपरहिट बॉलीवुड फिल्म '3 इडियट्स' में 'चतुर रामलिंगम' का यादगार किरदार निभाने वाले अभिनेता ओमी वैद्य ने लद्दाख के प्रसिद्ध शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अपना खुला समर्थन दिया है। सोनम वांगचुक इस समय दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। ओमी वैद्य ने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा करते हुए लोगों को याद दिलाया कि फिल्म '3 इडियट्स' में आमिर खान का निभाया गया 'फुंसुख वांगडू' का किरदार असल जिंदगी में सोनम वांगचुक से ही प्रेरित था। उन्होंने देश की जनता और मीडिया से अपील की है कि वे वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य और उनकी मांगों पर गंभीरता से ध्यान दें। ओमी वैद्य से पहले दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज भी सोनम वांगचुक के आंदोलन का खुलकर समर्थन कर चुके हैं। मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में ओमी वैद्य ने खुद का परिचय फिल्म के उसी अंदाज में '3 इडियट्स' के चतुर के रूप में दिया। उन्होंने बेहद संवेदनशील लहजे में कहा, 'मैं नहीं चाहता कि फुंसुख वांगडू की जान चली जाए।' सोनम वांगचुक से अपनी निजी मुलाकात का जिक्र करते हुए ओमी ने उन्हें एक बेहद विनम्र और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताया। अभिनेता ने भूख हड़ताल के कारण सोनम वांगचुक की लगातार खराब होती सेहत पर गहरी चिंता व्यक्त की।

गुदगुदाने आ रही है के के मेनन की 'आदर्श बाल विद्यालय', ट्रेलर में दिखी सरकारी स्कूल की अव्यवस्था और कैम्ब्रिज जाने की जंग

प्राइम वीडियो ने अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' का मजेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह सात एपिसोड की एक हल्की-फुल्की कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है, जो दर्शकों को एक ऐसे स्कूल की दुनिया में ले जाती है जो रोज नई मुश्किलों और सीमित संसाधनों से जूझ रहा है। कहानी उम्मीद, संघर्ष और एकजुटता के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जहां एक अनोखा हेडमास्टर अपने स्टाफ और स्कूल की सूरत बदलने की कोशिश में जुटा है। पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस सीरीज को बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने तैयार किया है, जबकि इसका निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। यह सीरीज 24 जुलाई को भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। ट्रेलर दर्शकों को 'आदर्श बाल विद्यालय' की उस अनोखी दुनिया से रूबरू कराता है, जहां कायदे-कानून थोड़े ढीले हैं और हर दिन एक नया ड्रामा लेकर आता है। कहानी के मुख्य केंद्र ज्ञानेश्वर त्रिपाठी (के के मेनन) हैं, जो अपने देसी जुगाड़ और सूझबूझ से स्कूल की नैय्या पार लगाते रहते हैं। कहानी में असली मोड़ तब आता है, जब सरकार घोषणा करती है कि दिल्ली के बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले 10 स्कूलों के प्रिंसिपल्स को ट्रेनिंग के लिए कैम्ब्रिज भेजा जाएगा। इसके बाद शुरू होती है अजीबोगरीब शिक्षकों, शरारती बच्चों और जरूरत से ज्यादा एक्टिव रहने वाले पेरेंट्स के बीच खुद को साबित करने की जंग। इसकी कहानी को बिस्वपति सरकार, अक्षय अस्थाना, नुपुर पई, तत्सत पांडे और मेघना श्रीवास्तव ने मिलकर लिखा है। सीरीज में के के मेनन के साथ अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी और प्राची शाह जैसे मंझे हुए कलाकार अहम रोल में हैं। सीरीज के डायरेक्टर हिमांक गौर ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि 'आदर्श बाल विद्यालय' की कहानी हर किसी के स्कूल के दिनों की यादें ताजा कर देगी। इसमें वही पुरानी दोस्ती, शरारतें और टीचर्स के साथ खट्टे-मीठे रिश्ते दिखाए गए हैं जो स्कूल छूटने के बाद भी जेहन में जिंदा रहते हैं।

फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा, शेयर किया लकी नंबर का दिलचस्प किस्सा

1990 के दशक में अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग, दमदार डांस और अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर गोविंदा लंबे समय से फिल्मों से दूर थे। वह अब फिल्म 'रूपा' के जरिए वापसी करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शायद उनकी किस्मत में यही लिखा था कि फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया, ताकि वह पहले से ज्यादा मजबूती के साथ वापसी कर सकें। उन्होंने कहा कि शायद मेरी किस्मत में कई बार लोगों द्वारा नकारा जाना ही लिखा था। लोगों ने कहा कि अब यह फिल्मों में नजर नहीं आएगा, लेकिन मैं हर बार फिर से शुरुआत करता हूं।

'मन्नत' के रेनोवेशन का रास्ता हुआ साफ, शाहरुख खान के घर में जुड़ेगी अतिरिक्त मंजिल

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और गौरी खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुपरस्टार को उनके मुंबई स्थित बंगले 'मन्नत' में अतिरिक्त मंजिल जोड़ने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुपरस्टार को अपने घर में दो और मंजिले जोड़ने के लिए 'कोस्टल रेगुलेशन जोन' (CRZ) की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यून (एनजीटी) के फैसले में हस्तक्षेप से साफ इनकार कर दिया और कहा कि रेनोवेशन के काम को मंजूरी देने वाले अधिकारियों ने कानून के प्रावधानों का पूरी तरह से पालन किया है और इस मामले में हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है।

बता दें, शाहरुख खान के बंगले 'मन्नत' के रेनोवेशन के खिलाफ मुंबई के एक निवासी ने याचिका दायर की थी, जिसमें उसने बांद्रा में मौजूद एक्टर के सी-फेसिंग बंगले के रेनोवेशन के लिए दी गई मंजूरी पर सवाल उठाए गए थे।

याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के इरादे पर भी शक जताया।

बेंच ने कहा कि पहली नजर में याचिका दायर करने का मकसद संदिग्ध लग रहा था। मामले में कोई ठोस आधार न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने रेनोवेशन पर कोई रोक नहीं लगाई है, यानी अब 'मन्नत' में रेनोवेशन का काम जारी रह सका।

शाहरुख खान ने 2001 में यह बंगला खरीदा था और बाद में इसका नाम 'मन्नत' रखा, जिसका अर्थ है दिल से की गई कोई 'इच्छा' या 'प्रार्थना' है।

श्रुति हासन बनीं नए घर की मालकिन, चेन्नई में खरीदे नए घर में की गृह प्रवेश पूजा, दिखाई नए आशियाने की झलक

साउथ सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस-सिंगर और सुपरस्टार कमल हासन की बेटी श्रुति हासन ने एक नया घर खरीदा है। अभिनेत्री ने अपने होमटाउन चेन्नई में एक नया आलीशान घर खरीदा है। हाल ही में श्रुति ने अपने नए घर में गृह प्रवेश पूजा की, जिसकी खूबसूरत तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में श्रुति पर्पल कलर का सूट पहने, गले में माला डाले पारंपरिक गृह प्रवेश की पूजा करती दिख रही हैं और सामने आई तस्वीरों में उनके चेहरे की खुशी साफ देखी जा सकती है। तस्वीरों में श्रुति हासन अपने नए घर में जमीन पर बैठकर पूजा करती दिख रही हैं। उनके सामने मिठाईयां, चाबियां और अन्य पूजा सामग्री रखी देखी जा सकती है। सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर की हैं और श्रुति ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पूजा की झलकियां साझा की हैं, जिसमें वह बेहद खुश लग रही हैं। तस्वीरों में श्रुति के साथ ज्यादा लोग नजर नहीं आ रहे, जिससे पता चलता है कि उन्होंने बहुत ही सादगी भरे अंदाज में गृह प्रवेश की पूजा की। उनके सामने बैठे पंडित जी, पूजा कराते दिख रहे हैं। हालांकि, इन तस्वीरों में श्रुति के साथ उनके पिता कमल हासन, मां सारिका या बहन देखने को नहीं मिलीं। इससे पहले श्रुति हासन के मुंबई वाले घर के अंदर की झलक भी देखने को मिली थी।

क्या राजनीति में होगी जूनियर NTR की एंट्री? अफवाहों पर टीम ने लगाया विराम, बताया 18 जुलाई का सच

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और पैन-इंडिया स्टार जूनियर एनटीआर के राजनीतिक भविष्य को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में अटकलें तेज थीं। अफवाहें उड़ रही थीं कि अभिनेता जल्द ही राजनीति में कदम रखने जा रहे हैं और इसके लिए वे एक बड़ा मंच तैयार कर रहे हैं। हालांकि अब जूनियर एनटीआर की आधिकारिक टीम ने इन सभी चर्चाओं पर विराम लगाते हुए स्थिति पूरी तरह साफ कर दी है। टीम ने एक बयान जारी कर स्पष्ट किया है कि अभिनेता का फिलहाल राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है और सोशल मीडिया पर चल रही खबरें महज अफवाह हैं। अटकलें लगाई जा रही थीं कि जूनियर एनटीआर आगामी 18 जुलाई को एक भव्य कार्यक्रम के जरिए अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत करेंगे। इस पर सफाई देते हुए अभिनेता की टीम ने बताया कि 18 जुलाई को प्रस्तावित कार्यक्रम किसी भी तरह से राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित नहीं है। यह आयोजन 'ऊरु वाडा' नामक एक नई सामाजिक पहल और जन-कल्याणकारी योजना को लॉन्च करने के लिए किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सेवा, जमीनी स्तर पर लोगों की मदद और सामुदायिक कल्याण की रूपरेखा को जनता के सामने रखना है। इसके साथ ही टीम ने मीडिया घरानों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से भी अनुरोध किया है कि वे इस सामाजिक कार्यक्रम को राजनीतिक रंग देने से बचें और किसी भी तरह की मनगढ़ंत रिपोर्ट प्रकाशित या प्रसारित न करें।

सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत देख भावुक हुआ बॉलीवुड, अभय देओल का टूटा दिल

लद्दाख के जाने-माने शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल लगातार 17वें दिन में प्रवेश कर गई है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे उनके इस संघर्ष ने अब पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने मंगलवार को वांगचुक की बिगड़ती सेहत का ताजा स्वास्थ्य बुलेटिन साझा किया, जिसके बाद उनके शुभचिंतकों की चिंता और भी बढ़ गई है। दिपके ने बताया कि इतने लंबे समय से अन्न का त्याग करने के कारण वांगचुक का वजन करीब 8.2 से 8.5 किलोग्राम तक कम हो गया है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 पर आ गया है और ब्लड ग्लूकोज लेवल गिरकर खतरनाक रूप से 67 mg/dL तक पहुंच गया है। बॉलीवुड की जानी-मानी दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान, अभिनेता अभय देओल और कई अन्य सितारों ने केंद्र सरकार से इस संवेदनशील मामले में खुला संवाद करने का आग्रह किया है।

'उड़ने की आशा' में 7 साल का लीप, सायली की बदली जिंदगी पर बोलीं नेहा-'कहानी का नया दौर बेहद खास है'

टीवी शो 'उड़ने की आशा' अब अपनी कहानी में एक बड़ा बदलाव लाने जा रहा है। शो में जल्द ही सात साल का लीप देखने को मिलेगा, जिसके बाद कहानी एक नए दौर में प्रवेश करेगी। इस नए मोड़ को लेकर शो की मुख्य अभिनेत्री नेहा हरसोरा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पहली बार इस लीप के बारे में जानकारी मिली थी, तो वह भावुक हो गई थीं। शो में नेहा हरसोरा सायली का किरदार निभा रही हैं। सात साल के लीप के बाद सायली की जिंदगी पूरी तरह बदली हुई नजर आएगी। कहानी के अनुसार, सायली और रोशनी की प्रेग्नेंसी के दौरान एक मेडिकल इमरजेंसी होती है, जिसके बाद जन्म के समय बच्चों की अदला-बदली हो जाती है। वहीं, दूसरी तरफ उनका बेटा रोशनी और तेजस के साथ बड़ा हो रहा होता है।

सार समाचार

मिडिल ईस्ट में शुरू हुई एक और जंग, यमन के हूतियों ने सऊदी अरब पर दागे मिसाइल और ड्रोन

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग में एक नया मोर्चा खुल गया है। यमन के हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया है कि सऊदी अरब ने यमन के सना एयरपोर्ट पर बमबारी की है। इसके बाद हूती विद्रोहियों ने भी जवाबी एक्शन लिया है और सऊदी अरब के अभा एयरपोर्ट पर मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। मिडिल ईस्ट में जंग के इस नए मुहाने के खुलने से जंग का खतरा पूरे क्षेत्र में फैलने का डर जताया जा रहा है। सोमवार को यमन के सना एयरपोर्ट पर कई धमाके हुए। ईरान-समर्थित हूथी विद्रोहियों का दावा है कि सऊदी अरब ने एयरस्ट्राइक की है। हूती के सैटेलाइट न्यूज चैनल अल-मसीराह टीवी ने सना एयरपोर्ट पर हुए हमलों और धमाकों के फुटेज दिखाए। हालांकि, यमन की मान्यता प्राप्त सरकार का कहना है कि ये हमले एक ईरानी विमान को उतरने से रोकने के लिए किए गए थे। सऊदी अरब की तरफ से एयर स्ट्राइक पर कोई बयान नहीं आया है। ना ही उसने ये कबूल किया है कि उसने ही सना एयरपोर्ट पर हमला किया है। यमन की मान्यता प्राप्त सरकार के रक्षा मंत्री जनरल ताहिर अल-अकीली ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद लौट रहे हूती प्रतिनिधिमंडल को ले जा रहे विमान को रोकने के लिए हवाई अड्डे के रनवे पर हमला किया गया। वहीं, हूती का कहना है कि विमान ने अपना रास्ता बदल लिया और वो होदेइदाह हवाई अड्डे पर उतरा। इस हमले के बाद सना में हवाई अड्डे को नुकसान पहुंचने की कोई तत्काल खबर नहीं मिली है। हूती विद्रोहियों की तरफ से कहा गया है कि वो इन हमलों का और करारा जवाब देंगे। आपको बता दें कि ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को शुक्रवार सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

'अमेरिका जैसा देश समुद्री डाकू नहीं बन सकता', ट्रंप के '20% शुल्क' वाले ऐलान पर भड़के लूला

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर 20 फीसदी शुल्क लगाने की अमेरिकी योजना की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक समुद्री डाकू या 'पाइरेट' के जैसा काम नहीं कर सकता। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अब अमेरिका को 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का गार्डियन' कहा जाएगा और इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से 20 फीसदी शुल्क लिया जाएगा। सोमवार को साओ पाउलो राज्य में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लूला ने ट्रंप की योजना का मजाक उड़ाया।

पाकिस्तान को बाढ़ के तेज होने से भारी नुकसान का अनुमान, सरकार की अधूरी तैयारियों पर गहराई चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मानसून बाढ़ का मौसम शुरू होने के साथ ही स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में बाढ़ की अधूरी तैयारी को लेकर चिंता जताई गई है। इस देरी के पीछे देश के मौजूदा वित्तीय संकट को एक बड़ा कारण बताया गया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया, "संभावित बाढ़ से निपटने के लिए ठोस उपाय अभी पूरे नहीं हुए हैं। चल रहे वित्तीय संकट के कारण मॉनसून की तैयारी के लिए जरूरी फंड भी जारी नहीं किए गए हैं।" रिपोर्ट के अनुसार, रावलपिंडी में कई नालों से गाद नहीं निकाली गई है और लेह नाला इलाके में कई लोगों को कुछ समय के लिए दूसरी जगह भेज दिया गया। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों ने अपना कीमती सामान सुरक्षित जगहों पर पहुंचा दिया है।

इसमें यह भी बताया गया है कि जिन बिल्डिंग और दुकानों की छतें टपक रही हैं और दीवारें कमजोर हैं, उन्हें खाली करने के लिए लगातार नोटिस जारी होने के बाद भी खाली नहीं किया जाता है। हर मॉनसून में एक या दो बिल्डिंग थोड़ी या पूरी तरह से गिर जाती हैं और नोटिस सिर्फ ऐसी घटनाओं के लिए कार्रवाई के सबूत के तौर पर जारी किए जाते हैं।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा, "खाली करने के नोटिस से जुड़े मामले कोर्ट में भी पेंडिंग हैं, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, किराएदारों के साथ कथित मिलीभगत की वजह से सरकार उन पर असरदार तरीके से कार्रवाई नहीं करती है, जिससे बार-बार मामले टलते हैं।" इस बीच, स्थानीय मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में भारी बारिश से आई अचानक बाढ़ से बहुत ज्यादा तबाही हुई है।

शेख हसीना बांग्लादेश लौटीं तो उनके साथ क्या होगा? सरकार के मंत्री ने दे दिया जवाब

बांग्लादेश में इस वक्त लोगों के बीच नई चर्चा छिड़ गई है। माना जा रहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जल्द ही वापस बांग्लादेश लौट सकती हैं। ऐसे में अब लोगों के बीच चर्चा छिड़ गई है कि अगर वह वापस बांग्लादेश लौटती हैं तो उनके साथ क्या और कैसा बर्ताव किया जाएगा। अब बांग्लादेश की सरकार के एक मंत्री ने इस बात का जवाब दे दिया है। बांग्लादेशी मंत्री ने कहा है कि शेख हसीना अगर वापस लौटीं तो उन्हें जेल जाना होगा। आइए जानते हैं कि इस बारे में और क्या कहा गया है। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार में विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने शेख हसीना की वापसी को लेकर बयान जारी किया है। मंत्री ने कहा- "यदि वह (शेख हसीना) आत्मसमर्पण करती हैं, तो मौजूदा कानून के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। उन्हें जेल जाना होगा। कानून अपना काम करेगा।" शमा ने साफ किया है कि यदि शेख हसीना सरेंडर करती हैं तो सरकार पूरी तरह से कानूनी ढांचे के तहत ही आगे बढ़ेगी। आपको बता दें कि साल 2024 के अगस्त महीने में बांग्लादेश में छात्रों के हिंसक आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था। सरकार के तख्तापलट के बाद हसीना ढाका से सुरक्षित निकलकर भारत आ गईं थीं। इसके बाद से अब तक वह भारत में ही हैं। हालांकि, उन्होंने अब खुद बता दिया है कि वह जल्द ही बांग्लादेश वापस जाएंगी। आपको बता दें कि बीते हफ्ते ही शेख हसीना ने बांग्लादेश वापस जाने को लेकर बड़ा ऐलान किया है। शेख हसीना ने कहा है कि वह अवामी लीग के अन्य निर्वासित नेताओं के साथ दिसंबर के आस-पास अपनी इच्छा से बांग्लादेश वापस लौटने का प्लान बना रही हैं। शेख हसीना ने कहा था- "बांग्लादेश लौटने पर वह मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, वे मुझे मार भी सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही होगा।" शेख हसीना ने आगे कहा- "मेरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भीषण दमन हो रहा है। अगर मौत आती है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी धरती पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।"

होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान के खिलाफ लगातार तीसरा हमला किया शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका के सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को ईरान के खिलाफ हमलों का एक और दौर शुरू किया। कमांड ने कहा, "आज शाम 4:45 बजे अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कमांडर इन चीफ के निर्देश पर ईरान के खिलाफ लगातार तीसरी रात हमले शुरू किए।" अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने एक यूएस अधिकारी के हवाले से बताया कि यूएस, कोस्टल सर्विलांस सिस्टम, ड्रोन और मिसाइल क्षमताओं सहित ईरानी मिलिट्री एसेट्स को टारगेट कर रहा था।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में कहा, "हम आज रात उन पर बहुत जोरदार हमला करेंगे और कल भी हम उन पर जोरदार हमला करेंगे।"

इस बीच, ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान पर सैन्य समझौता तोड़ने और रणनीतिक समुद्री मार्ग में ड्रोन भेजना जारी रखने का आरोप लगाने के बाद, अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल कर लेगा और हमेशा के लिए इसकी सुरक्षा की निगरानी कर सकता है। फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "हम स्ट्रेट पर कब्जा कर रहे हैं। उनके पास कुछ भी नहीं है। उनके पास कुछ भी नहीं है।"

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने रात भर में ईरानी सैन्य एसेट्स पर हमला किया और किसी भी नई ड्रोन गतिविधि का जोरदार जवाब देना जारी रखेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, "उनके ज्यादातर उपकरण खत्म हो गए हैं। उनकी एंटी-एयरक्राफ्ट गन, हमने कल रात उन्हें बहुत जोर से मारा।" राष्ट्रपति ने कहा कि वाशिंगटन और तेहरान एक ऐसे समझौते पर पहुंच गए थे जिसे उन्होंने पूरा हुआ बताया, इससे पहले कि ईरान लंबी बातचीत के बाद बदलाव की मांग करता।

'होर्मुज पर कोई समझौता नहीं, अमेरिका युद्ध से नहीं खोल पाएगा रास्ता', ईरानी सेना की दो टूक

तेहरान। ईरान की सेना ने साफ तौर पर कह दिया है कि होर्मुज पर कोई समझौता नहीं होगा। अमेरिका युद्ध के जरिए रास्ता नहीं खोल पाएगा। मानमानी छोड़कर उसे बातचीत के जरिए एक नतीजे तक पहुंचना होगा। ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमिनिया ने यह बात कही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने का एकमात्र तरीका यह है कि अमेरिका ईरानी राष्ट्र के अधिकारों का सम्मान करे और युद्ध समाप्त करने वाले ईरान-अमेरिका समझौते की शर्तों का पालन करे। मंगलवार को तेहरान के दक्षिणी इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, अकरमिनिया ने इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की शहादत पर शोक व्यक्त किया और पिछले चार महीनों के दौरान सशस्त्र बलों के लिए ईरानी लोगों के अटूट समर्थन की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध-समाप्ति समझौते का उल्लंघन कर रहा है। अमेरिका ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नेविगेशन के लिए ईरान की व्यवस्थाओं को स्वीकार करने के बावजूद वहां एक नया शिपिंग मार्ग स्थापित करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, "होर्मुज को कभी भी युद्ध, आक्रामकता या अमेरिका की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के माध्यम से फिर से नहीं खोला जाएगा।" "इसे फिर से खोलने का एकमात्र रास्ता ईरानी राष्ट्र के अधिकारों का सम्मान करना और युद्ध समाप्त करने वाले समझौते के प्रावधानों का अमेरिका द्वारा पूरी तरह से पालन करना है।" अकरमिनिया ने फिर से कहा कि ईरानी सशस्त्र बल होर्मुज़ में देश के अधिकारों की रक्षा आखिरी सांस तक करते रहेंगे और ज़रा भी पीछे नहीं हटेंगे। बता दें कि ईरानी सेना का यह बयान ऐसे समय में आया है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हालात लगातार खराब हो रहे हैं। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह ऐलान कर दिया है कि होर्मुज के मालिक हम हैं। उन्होंने इस रूट से गुजरने वाले जहाजों से 20 फीसदी टैक्स वसूलने की बात भी कही है। वहीं ईरान का कहना है कि होर्मुज पर उसका हक है और कोई इससे उसे वंचित नहीं कर सकता। ईरानी सेना के इस बयान ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को नई दिशा दे दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों देशों के बीच जारी बयानबाजी अब केवल कूटनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल इस जलमार्ग से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का परिवहन होता है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक बाजारों को प्रभावित कर सकता है।

भारत ने शुरू किया UN सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यता के लिए अभियान, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के अस्थायी सदस्यता के लिए अपना अभियान किया शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, भारत ने UNSC के अस्थाई सदस्य के तौर पर 2028-29 के कार्यकाल के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस के साथ मुलाकात की है। इस दौरान दोनों के बीच पश्चिम एशिया, यूक्रेन और रूस युद्ध सहित कई ग्लोबल मुद्दों पर हुई चर्चा हुई है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित प्रोग्राम में अलग-अलग देशों के राजदूतों, राजनयिकों और UN के सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने UNSC के लिए भारत के कैंपेन की शुरुआत की। जयशंकर ने कहा कि कि संयुक्त राष्ट्र के प्रति भारत का दृष्टिकोण 'SHANTI' के सिद्धांत पर आधारित है। अपने संबोधन में एस जयशंकर ने शांतिपूर्ण दुनिया पर जोर देते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य एक ऐसे विश्व के निर्माण में योगदान देना है, जहां शांति, सुरक्षा और समानता हो। जानकारी के अनुसार, UNSC की 2028-29 की अवधि के लिए अस्थायी सीट के लिए चुनाव का आयोजन अगले साल जून महीने में होगा। भारत लंबे समय से UN में सुधार और नए स्थायी सदस्यों को जोड़ने की मांग करता रहा है। बड़ी संख्या में देश भारत की इस मांग का समर्थन भी करते हैं। UN मुख्यालय में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- "आज आप सबके साथ जुड़कर मुझे बेहद खुशी हो रही है। हम 2028-29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य के रूप में भारत की उम्मीदवारी की घोषणा कर रहे हैं। हम ऐसा ऐसे समय में कर रहे हैं जब दुनिया एक गहरे विरोधाभास का सामना कर रही है। मानव कल्याण को इतने बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने की अपार क्षमताएं पहले कभी दुनिया के पास नहीं थीं। वहीं दूसरी ओर, हम संघर्ष, हिंसा और अस्थिरता के ऐसे स्तर देख रहे हैं जो दूर-दराज के लोगों के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। दूसरा हिस्सा हमारा ऐसा पूर्व-कार्य अनुभव है जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अपना निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।"

फिलिस्तीन के समर्थन में भारत ने दोहराई प्रतिबद्धता, दो राष्ट्र समाधान और यूएन में सदस्यता का किया समर्थन

ब्रसेल्स। ब्रुसेल्स में आयोजित फिलिस्तीन डोनर ग्रुप (पीडीजी) की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत ने दो-राष्ट्र समाधान के प्रति अपना लगातार समर्थन दोहराया। साथ ही भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सदस्यता के लिए फिलिस्तीन की सदस्यता का भी समर्थन किया। विदेश मंत्रालय की सचिव (सीपीवी एंड ओआईए) श्रीप्रिया रंगनाथन ने मीटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह मीटिंग यूरोपीय कमीशन और फिलिस्तीन अथॉरिटी ने मिलकर स्थानीय समयानुसार सोमवार को आयोजित की थी।

मीटिंग में यूरोपीय संघ के सदस्य देशों, फिलिस्तीन और दूसरे जरूरी अंतरराष्ट्रीय साझेदारों और वित्तीय संस्थानों ने भी हिस्सा लिया।

बैठक के दौरान सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि भारत लंबे समय से फिलिस्तीनी लोगों का विश्वसनीय साझेदार रहा है।

उन्होंने दो-राष्ट्र समाधान के प्रति भारत के निरंतर समर्थन और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सदस्यता के लिए फिलिस्तीन की दावेदारी के समर्थन को दोहराया। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उन्होंने फिलिस्तीन के लोगों के लिए भारत की निरंतर विकासात्मक सहायता, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और मानवीय मदद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की विकास परियोजनाएं फिलिस्तीन की आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित की जाती हैं और उनका मुख्य फोकस स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पर है। सचिव ने कहा कि भारत इस समय फिलिस्तीन में स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण और संस्थागत क्षमता निर्माण से जुड़े कई प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

"आज रात करेंगे सबसे बड़ा हमला, ईरान पर कर लेंगे कब्जा", डोनाल्ड ट्रंप की फिर गीदड़भभकी?

होर्मुज को लेकर चल रही तनातनी के बीच ट्रंप ने आज रात बड़ा हमला करके ईरान को पूरी तरह से तबाह करने का दावा किया है। ट्रंप ने कहा, आज रात ईरान के पूरे इलाके में कब्जा कर लेंगे। ट्रंप ने ये भी दावा किया है कि ईरान की सैन्य ताकत पूरी तरह से खत्म हो चुकी है, रडार से जहाज तक सबकुछ तबाह हो चुके हैं। यहां तक कि कोई लीडरशिप भी नहीं बची है, इसलिये ईरान अब बैकफुट पर है। वहीं, अमेरिकी सीनेट में माइनॉरिटी लीडर Chuck Schumer ने ईरान के ख़िलाफ़ अमेरिका-इज़राइल युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप के तौर-तरीकों की आलोचना की है। शूमर ने ट्रंप पर बिना किसी साफ़ रणनीति के पुरानी गलतियों को दोहराने का आरोप लगाया।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, इन लोगों के पास चार महीने पहले इन लोगों के पास मिडिल ईस्ट की सबसे मज़बूत सेना थी, उनके पास 159 जहाज़ थे, अब वे सभी पानी के नीचे हैं। उनके पास 230 हवाई जहाज़ थे,

जिनमें अटैक प्लेन भी शामिल थे, वे सभी खत्म हो चुके हैं। उनके पास ज़बरदस्त रडार सिस्टम था, वह सब खत्म हो गया है। उनके पास ज़बरदस्त एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम था। वह सब खत्म हो गया है, उनकी पूरी लीडरशिप खत्म हो चुकी है। अमेरिका का बयान- होर्मुज में 20% सुरक्षा फीस वसूलेंगे, अमेरिका 'गार्जियन ऑफ द होर्मुज स्ट्रेट' है, ईरानी बंदरगाहों में नाकेबंदी करेंगे, ईरानी जहाजों पर नई पाबंदियां लागू करेंगे, ईरान के इलाके पर कब्जा करेंगे। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कसम खाई है कि अगर ईरान उनके देश पर नए हमले करता है, तो वे ईरान पर ज़ोरदार जवाबी हमला करेंगे।

होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा पर ट्रंप ने मांगा 20 फीसदी शुल्क, ईरान ने खुद को बताया वास्तविक गार्डियन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज स्ट्रेट का "गार्डियन" बनने और वहां से गुजरने वाले कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा पर ईरान ने प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की यह बात सही है कि सुरक्षा देने वाले को मुआवजा मिलना चाहिए, लेकिन 20 प्रतिशत शुल्क बहुत अधिक है। साथ ही उसने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट का वास्तविक "गार्डियन" ईरान है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "अमेरिकी राष्ट्रपति बिल्कुल सही हैं। जो भी वाणिज्यिक जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराता है, उसे इस सेवा के लिए मुआवजा मिलना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा, "ईरान हमेशा से इस स्ट्रेट का गार्डियन रहा है और आगे भी रहेगा। हालांकि, 20 प्रतिशत शुल्क निश्चित रूप से बहुत अधिक है। हम निष्पक्ष रहेंगे।" इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के साथ या उसके बिना भी खुला रहेगा, क्योंकि अमेरिका उस व्यवस्था को फिर से लागू कर रहा है जिसे उन्होंने "ईरानी नाकाबंदी" बताया। उनके अनुसार, सभी देशों के जहाजों को इस मार्ग से निर्बाध आवाजाही की अनुमति होगी, जबकि केवल ईरान और उसके ग्राहकों के जहाजों पर प्रतिबंध रहेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, "अब से अमेरिका को 'गार्डियन ऑफ द होर्मुज स्ट्रेट' के नाम से जाना जाएगा। प्रत्येक कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा।"

SPORTS NEWS

India vs England 1st ODI pitch report; here's how surface at Edgbaston is expected to play

New Delhi: India are all set to play their first ODI against England on Tuesday at Edgbaston as they gear up to bounce back from their seven-match winless streak in T20Is. First whitewashed by Ireland 0-2 and then losing the T20Is to England 0-4, the chips are down, and India look to their seniors, intending to bounce back and prove themselves. India are currently on a seven-match winless streak and look to register their maiden win on the tour as they aim to avoid an unwanted record. The previous time that India failed to win any match in eight or more across formats was during the 2014-15 tour to Australia. There is hope in the air that they will bounce back as stars Virat Kohli, Rohit Sharma and Jasprit Bumrah are back. In the last five men's ODIs, India have defeated England in each of their matches and with the changed squad and Edgbaston pitch's assistance, the chances of continuing the undefeated streak appear high.

Why is Hardik Pandya not playing in IND vs ENG 1st ODI?

New Delhi: Hardik Pandya is a major absentee as India take on England in the first ODI of the three-match series on Tuesday, July 14. The Men in Blue aim to bounce back from their recent T20I drubbings to Ireland and England as they take on the English side at Edgbaston, Birmingham. Pandya is not part of the first match and, in fact, the complete ODI series as he has been ruled out of the ongoing assignment in England due to a leg strain he picked up in the build-up to the Afghanistan ODIs. Hardik also missed the three-match series against the Afghans, which the Men in Blue won 3-0. Hardik reported to the BCCI CoE for his back spasms following the IPL 2026 with the Mumbai Indians. The all-rounder was working his way back from the issue and had been given clearance for the three-match series against Afghanistan before a fresh blow pegged him back, as he was ruled out of the home series against the Asian side. He was later also ruled out of the England ODIs. England captain Harry Brook won the toss and opted to bat first as India were put in to bowl first. "We're gonna have a bat today. Looks like a good surface, don't quite know what's gonna happen, but we fancy our chances with the bat first. Hopefully, we can get a little bit of spin in the second innings," Brook said at the toss.

Gurnoor Brar stages brilliant comeback with two wickets in an over, Bumrah grabs impressive

New Delhi: Star fast-bowler Gurnoor Brar put up an impressive performance in the first ODI of the three-match series against England at Edgbaston on July 14. Brar, who made an eye-catching ODI debut in the series against Afghanistan, starred in the series opener with two wickets in a comeback spell. Brar was hit for 17 runs in his very first over as Ben Duckett and Jacob Bethell got India's new-ball attack off to an expensive start. The pacer struggled to find his rhythm in his second over as well, with Duckett hitting a couple of more fours. But the 13th overturned everything around. Brar dismissed Bethell first, outfoxing him to be caught at deep square leg before removing Duckett just two deliveries later, caught at deep third man as Jasprit Bumrah took a fine catch at the ropes. The twin blows ended what had been a fluent opening stand and swung the momentum firmly back towards India, with the hosts losing their new opening pair in the same over after a strong start. Born in Punjab, Gurnoor Brar has been one of the most promising fast bowlers for India recently. The tall right-arm pacer is known for his pace, bounce, and ability to move the ball both ways. He has established himself as a mainstay for the Punjab domestic side in red-ball cricket over the last two seasons. Meanwhile, India skipper Shubman Gill also confirmed that he wanted to bowl first anyway.

Shubman Gill walks off injured in first ODI vs England at Edgbaston, what happened to India captain?

Birmingham: India suffered a major setback during their chase of 259 in the first ODI against England at Edgbaston. In the 26th over of the chase, captain Shubman Gill retired hurt after scoring a fluent 80 off 75 balls. He was struggling with a leg injury for a while, as the Indian team doctors checked on him earlier in the 24th over of the game. He was given plenty of water, as stretching was done on his right leg by the physio. On-field umpire Kumar Dharmasena eventually intervened and asked the Indian team to hurry up. Gill eventually did and planned to carry on. However, shortly after stitching a 101-run partnership with Shreyas Iyer, he appeared to be in discomfort again. Gill removed his gloves, crouched on the field and clutched the back of his right leg before deciding to walk off. Now, even though the exact nature of the injury has not been immediately confirmed, the initial signs suggested it could be cramps. As he walked off, Washington Sundar joined Iyer in the middle. Gill's knock had steadied India's innings after the visitors were rocked by the early dismissals of Rohit Sharma and Virat Kohli. Rohit managed 11 before holing out to Harry Brook off Sam Curran, while Kohli fell for five in the following over after being trapped lbw by Jofra Archer. Leading from the front, Gill countered England's early breakthroughs with positive strokeplay and ensured India regained control of the chase. His partnership with Shreyas shifted the momentum firmly in India's favour before the injury interrupted the visitors' progress. Meanwhile, soon after Gill was forced to walk out, Shreyas Iyer was involved in a run-out. India's T20I captain departed for 35 runs and soon after that, KL Rahul soon followed suit for one run. Earlier, England posted 258 after recovering from 107/6, thanks to crucial half-centuries from Joe Root and Liam Dawson. India had dominated for large parts of the innings, with Axar Patel claiming four wickets to restrict the hosts to a below-par total. However, India will now be tested, with no specialist batters left for them to rescue. Since less than 100 runs are required now to win, they are still in contention. India suffered a major scare during their chase of 259 in the opening ODI against England at Edgbaston after captain Shubman Gill was forced to retire hurt following a fluent innings of 80 from 75 deliveries.

Where to watch France vs Spain FIFA World Cup 2026 semi-final live on TV and stream online for free?

Dallas: France and Spain will meet in the first semi-final of the FIFA World Cup 2026 in the early hours of Wednesday in Dallas, with a place in Sunday's final on the line after both European heavyweights navigated contrasting routes through the knockout stage. France enter the contest as one of the tournament's most prolific attacking sides. Didier Deschamps' team reached the last four by defeating Morocco 2-0 in the quarter-finals after earlier victories over Paraguay and Sweden. Kylian Mbappe has spearheaded the French attack, while the squad's depth has allowed France to maintain its status among the tournament favourites. For the clash against the 2024 Euro champions, Spain, coach Deschamps has indicated he will not alter his attack-minded approach despite their possession-based game. The only matter of discussion will be to start with Desire Doue or Barcola. Spain, in the meantime, have impressed with their defensive solidity under Luis de la Fuente. La Roja booked their semi-final berth with a 2-1 win over Belgium after edging Portugal in the previous round, conceding only once throughout the tournament. Young star Lamine Yamal remains a key creative outlet, while Spain's disciplined structure has complemented their trademark ball control. However, they would hope for better returns from Lamine, who has netted just once in the tournament. Mikel Merino has been a star for them lately, having scored two late goals to get the job done in the previous two games. The fixture also renews one of international football's fiercest rivalries. With England and Argentina contesting the second semi-final on Wednesday, the winner in Dallas will become the first team to secure a place in the 2026 World Cup final.

Major change in ODI World Cup on cards? ICC considers reducing teams; WTC semifinal likely

New Delhi: There could be a major change in line for the ODI World Cups as the International Cricket Council (ICC) is reportedly considering reducing the teams for the global showpiece. This could well be in place even for the upcoming 2027 World Cup in South Africa, Zimbabwe and Namibia. A report in BBC stated that during the annual ICC meeting in Edinburgh, the International body has considered bringing the teams down from to 12 for the ODI World Cup and this can be in place for the 2027 tournament as well.

Moreover, there is set to be an addition of the 'super seven' stage in the tournament. If it happens for the 2027 showpiece, the ICC is set to allow only two teams from the global qualifying tournament and not the initially planned four. The ICC is also mulling having a super 10 stage in the T20 World Cup 2028, up from the usual super eight one. The 2028 World Cup is set to feature 20 teams, as 12 sides have booked their place in the global showpiece. In another significant update, the number of white-ball series will be reduced in the next Future Tour Programme (FTP) cycle. The current FTP runs from 2027 to 2031.

Satwik, Chirag forced to retire from first round of Japan Open, what really happened?

New Delhi: India suffered a major setback in the opening round of the Japan Open. The men's doubles campaign was forced to end early on Tuesday, July 14, after Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty retired from their opening-round match in the competition. Notably, the decision to withdraw came after Satwik suffered a recurring shoulder injury and as things stand, they will also miss the upcoming China Open. If the duo remains fit, they could be seen in the BWF World Championship in India next. Coming back to the Japan Open, the Indian duo lost the opening game 19-21 to Denmark's Daniel Lundgaard and Mads Vestergaard. Soon after that, they announced their retirement. Even with those interruptions, Satwik and Chirag delivered two significant results this year.

Jasprit Bumrah creates history for India, breaks Ravindra Jadeja's record during 1st ODI against England

New Delhi: Jasprit Bumrah has etched his name into the history books on his ODI return during the first match of the series against England on Tuesday, July 14. Bumrah made a comeback to the Indian side for the first time since the ODI World Cup 2023, 968 days after the final against Australia in November 2023. Meanwhile, Bumrah was back in business when he removed English captain Harry Brook as India were asked to bowl first. Bumrah remained wicketless in the first spell of four overs that he sent down but struck as early as on the first ball of his second spell that came after the powerplay. The hosts had lost their new opening pair of Ben Duckett and Jacob Bethell in an over to Gurnoor Brar in the 13th over after a strong start. Bumrah compounded England's troubles when he came and got Brook caught by Rohit Sharma at first slip. The wicket marked a couple of milestones for Bumrah. This was his 31st ODI wicket in England, which is now the most by an Indian bowler in England in the format. He was previously tied with Ravindra Jadeja for 30 scalps on English soil in ODIs but raised past the all-rounder, who was not picked for the ODIs against the Three Lions. Got here a couple of days before, so we were practicing, the vibe has been really good."

India assistant coach Ryan ten Doeschate contemplates move on

New Delhi: India are set to lose their assistant coach Ryan ten Doeschate, who is contemplating a move on from the team.

The former Dutch cricketer is likely to leave the Men in Blue at the end of the ODI series against England, which kicks off with the first match at Edgbaston, Birmingham on Tuesday, July 14.

As per a report in Cricbuzz, ten Doeschate's initial tenure with the Indian team has been completed around July 12-14, and the two sides are set to part ways on mutual consent. It further added that the former Dutch cricketer has informed the Board of Control for Cricket in India (BCCI) and has requested to be relieved. Ten Doeschate is reportedly looking for a role that demands less time on the road as he looks to spend time with his family.

महिलाओं के लिए हलीम सीड्स का सेवन हो सकता है फायदेमंद, डॉक्टर ने बताया सेवन का सही तरीका

हलीम के बीज सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। खासतौर पर महिलाओं के लिए इसका सेवन किसी अमृत से कम नहीं है। ये सीड्स हीमोग्लोबिन लेवल को तेजी से बढ़ाता है और आयरन की कमी को दूर करता है।

100 ग्राम हलीम के बीज में लगभग 90 से 100 मिलीग्राम आयरन पाया जाता है जो इसे पौधों से मिलने वाले आयरन का सबसे बेहतरीन स्रोत बनाता है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि आखिर महिलाओं को इस बीज का सेवन क्यों करना चाहिए? इसके फायदे और सेवन का सही

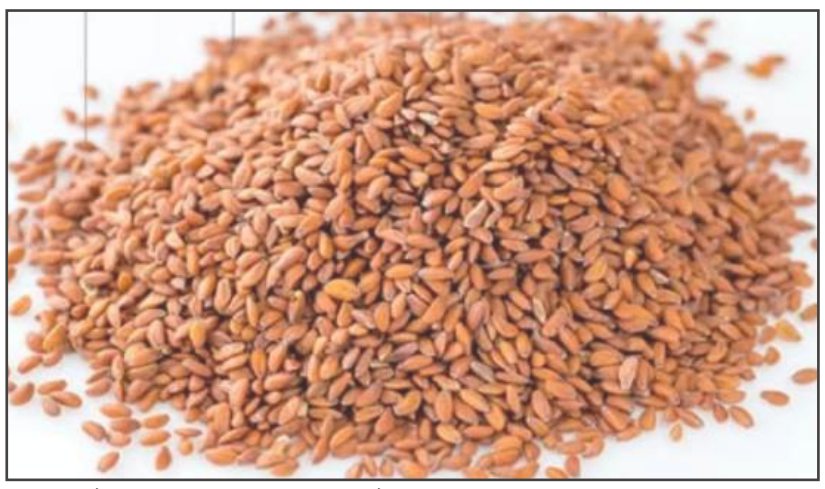

तरीका क्या है?

लो हीमोग्लोबिनः महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर 12 से 15 ग्राम डेसीलीटर होना चाहिए। लेकिन पीरियड्स में ज्यादा रक्तस्राव और प्रेग्नेंसी की वजह से हीमोग्लोबिन कम हो जाता है जिससे शरीर में आयरन कम होता है और इस वजह से एनीमिया की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में हीमोग्लोबिन बदाहने के लिए आप हलीम के बीज का सेवन कर सकते हैं।

पीरियड्स के दौरान होने वाले आयरन की कमीः हलीम के बीज आयरन से भरपूर होते हैं महिलाओं में आमतौर पर हीमोग्लोबिन लेवल कम होता है जिससे आयरन की कमी ज्यादा होती है। इसमें मौजूद आयरन और फोलिक एसिड हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाते हैं और पीरियड्स के दौरान होने वाले आयरन की कमी से बचाते हैं।

हेयर फॉलः हलीम के बीज का सेवन करने से हेयर फॉल की समस्या कंट्रोल हो सकती है। दरअसल, जब शरीर में आयरन की कमी होती है तो उस वजह से बालों झड़ना एक मुख्य कारण है। ऐसे में इसके सेवन से स्कैल्प तक ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

कब्जः हलीम के बीज कब्ज की समस्या में भी बेहद असरदार हैं।

मच्छर के काटने से खुजली क्यों होती है? जानें इसके पीछे का साइंटिफिक रीजन

गर्मियों और बरसात के दिनों में मच्छरों का आतंक बढ़ जाता है। शाम होते ही घरों में ये अपना डेरा जमा लेते हैं और काटते हैं। दिखने में छोटे-छोटे ये मच्छर जब आपके शरीर पर काटते हैं, तो शरीर में खुजली और जलन होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब कोई मच्छर हमें काटता है, तो उस जगह पर तेज खुजली क्यों होने लगती है और वहां लाल रंग का एक छोटा सा गुब्बारा क्यों बन जाता है? यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि इसके पीछे का साइंटिफिक रीजन क्या है। चलिए जानते हैं। जब एक मादा मच्छर हमारी त्वचा पर बैठती है, तो वह अपने डंक को हमारी त्वचा के अंदर डालती है। खून चूसने से पहले, मच्छर हमारी त्वचा में अपनी लार छोड़ती है। इस लार में खास तरह के एंटी-कोगुलेंट्स यानी थक्का-रोधी प्रोटीन होते हैं। इनका काम खून को जमने से रोकना होता है ताकि मच्छर बिना किसी रुकावट के आसानी से खून चूस सके। जैसे ही मच्छर की लार हमारे शरीर के संपर्क में आती है, हमारा इम्यून सिस्टम तुरंत अलर्ट हो जाता है। शरीर को लगता है कि कोई बाहरी और हानिकारक तत्व अंदर घुस आया है। इस हमले से बचने के लिए हमारा इम्यून सिस्टम 'हिस्टामाइन' नाम का एक केमिकल रिलीज करता है। यह हिस्टामाइन ही है जो असल में खुजली और सूजन के लिए जिम्मेदार होता है। हिस्टामाइन काटे गए हिस्से के आसपास की ब्लड वेसल्स को फैला देता है।

इससे उस जगह पर खून का बहाव बढ़ जाता है, जिससे वहां लाल घेरा और सूजन आ जाती है। हिस्टामाइन वहां मौजूद नसों को उत्तेजित करता है, जिससे मस्तिष्क को लगातार सिग्नल जाता है कि उस जगह पर कुछ गड़बड़ है। इसी सिग्नल के कारण हमें वहां तेज खुजली महसूस होती है। हालांकि हर व्यक्ति में मच्छर के काटने की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं होती। कुछ लोगों को केवल हल्की खुजली होती है और कुछ ही मिनटों में वह ठीक हो जाती है, जबकि कुछ लोगों में सूजन अधिक हो सकती है और खुजली कई घंटों या कई दिनों तक बनी रह सकती है। यह अंतर व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली और मच्छर की लार में मौजूद प्रोटीन के प्रति शरीर की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, मच्छर के काटने के बाद बार-बार खुजलाने से बचना चाहिए। लगातार खुजलाने से त्वचा पर छोटे घाव बन सकते हैं, जिनमें जीवाणुओं के प्रवेश का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज के मरीज पर दवा जैसा असर करता है ये काला फल

गर्मियों में शुगर के रोगियों के लिए एक बड़ा ही फायदेमंद फल आता है। जिसका नाम जामुन है। काला जामुन मधुमेह के रोगियों के लिए किसी दवा से कम नहीं है। आयुर्वेद में जामुन को बहुत ही फायदेमंद माना गया है। खासतौर से डायबिटीज को कंट्रोल करने में जामुन को असरदार माना जाता है। जामुन टॉयलेट और खून से शुगर की मात्रा को कम करता है। इसके अलावा जामुन पेट और डाइजेशन को बेहतर बनाने में भी असरदार साबित होता है। जामुन खाने से दांत, आंखें, चेहरे, किडनी स्टोन और लिवर के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन और फाइबर से भरपूर जामुन शुगर में कैसे इस्तेमाल किया जाता है आइये जानते हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन का सेवन बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में जामुन के फल, गुठली और पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।

पहला तरीका- जामुन की गुठली को पीसकर चूर्ण बना लें। अब एक हिस्सा जामुन की गुठली का चूर्ण, एक हिस्सा शुण्ठी चूर्ण और इसमें दो हिस्सा गुड़मार बूटी मिक्स कर लें। सारी चीजों को पीसकर एक चूर्ण बना लें और छान लें। इस चूर्ण को एलोवेरा जूस में मिलाकर पी लें। आप चाहें तो इसकी गोलियां जैसी बनाकर दिन में 3 बार खा लें। इससे शुगर को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।

दूसरा तरीका- करीब 100 ग्राम जामुन की जड़ लें और उसे अच्छी तरह से साफ कर लें। अब इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पीस लें। तैयाप मिश्रण को 20 ग्राम मिश्री में मिला खा लें। सुबह शाम इस चूर्ण को खाने से मधुमेह में फायदा होगा।

तीसरा तरीका- 250 ग्राम पकी हुई जामुन लें और उन्हें आधा लीटर उबलते हुए पानी में डाल दें। थोड़ी देर उबलने के बाद जब पानी थोड़ा ठंडा हो जाए तो जामुन को मैश कर लें और इसे छान लें।

सुबह के समय आपका बीपी 140/90 से ज्यादा रहता है, तो क्या करना चाहिए? बता रहे हैं डॉक्टर

अनियमित जीवनशैली का सबसे ज्यादा प्रभाव हमारी सेहत पर पड़ता है जो धीरे धीरे पता चलता है। इन दिनों भारत में कम उम्र में ही लोग हाई ब्लड प्रेशर के मरीज बन रहे हैं। साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर, कहते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर एक साइलेंट किलर है। इसके लक्षण तुरंत नजर नहीं आते हैं लकिन यह आगे चलकर हार्ट से जुड़ी बीमारियों की वजह बनता है। यानी हाई ब्लड प्रेशर से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है इसलिए ब्लड प्रेशर को हमेशा कंट्रोल में रखना चाहिए। डॉक्टर बिमल छाजेर, कहते हैं कि सुबह के समय आमतौर पर ज्यादातार लोगों का ब्लड प्रेशर बढ़ा होता हो। इसके पीछे वजह सुबह उठने पर स्ट्रेस हॉर्मोन का रिलीज होना, नींद पूरी नहीं होना, खाने में नमक का ज्यादा इस्तेमाल ये तीन वजहें मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।

डीप ब्रीदिंग करेंः डॉक्टर बिमल छाजेर, कहते हैं कि अगर सुबह के समय आपका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है तो आप सबसे पहल डीप ब्रीदिंग करें। सुबह उठकर आराम से बैठें और उसके बाद गहरी और लंबी सांस लें दो सेकेंड तक उसे होल्ड करें और फिर सांस को छोड़ें। यह प्रैक्टिस कम से कम पांच मिनट तक करें।

खाने से पहले एक गिलास पानी पिएंः ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने के लिए, खाने से पहले पानी ज़रूर पिएं। अगर आप हार्ट के मरीज नहीं है तो पानी ज़रूर पीना चाहिए। माइल्ड डिहाइड्रेशन से भी बीपी बढ़ा रहता है इसलिए पानी पिएं इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है।

मूवमेंट करेंः सुबह उठकर बॉडी स्टिफनेस को दूर करने के लिए लाइट मूवमेंट करें। दस से पंद्रह मिनट हल्का वॉक या स्ट्रेचिंग करने से यह आपके बॉडी के हर जॉइंट्स को एक्टिवेट करता है।

पूरी नींद लेंः सुबह अक्सर ब्लड प्रेशर इसलिए भी हाई होता है क्योंकि रात को नींद पूरी नहीं होती है। इसलिए रोजाना कम से कम सात से आठ घंटे की नींद लें। आधी अधूरी नींद से शरीर में तनाव हॉर्मोन रिलीज होते हैं जो बीपी को बढ़ाने का काम करते हैं।

नमक का सेवन कम करेंः हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट में नमक का सेवन कम करें। जंक फ़ूड और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। शुगरी फूड्स से भी दूरी बनाएं।

शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए अपनाएं ये उपाय, शरीर से बीमारियां होंगी कोसों दूर

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है।

एक व्यक्ति के लिए उसका स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है इसलिए आपको अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। लेकिन इन सबमे ध्यान देने योग्य बात यह है केवल बाहर से चुस्त दिखना जरुरी नहीं है बल्कि आपको मानसिक रूप से और अंदरूनी तौर पर स्वस्थ होना जरुरी है। आशा आयुर्वेदा की डायरेक्टर और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ चंचल शर्मा ने कुछ ऐसे टिप्स बताए जिससे आप प्राकृतिक रूप से बॉडी केयर कर सकते हैं।

शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने पर आप एक अच्छा जीवन जी पाते हैं।

संतुलित आहार का सेवन करेंः आप दिनभर में क्या खाते हैं इसका असर आपके शरीर पर पड़ता है इसलिए कोशिश करें कि हमेशा बैलेंस्ड डाइट का सेवन करें। आपके आहार में सभी विटामिन्स, मिनरल्स, अन्य पोषक तत्वों का संतुलित मात्रा में मौजूद होना बहुत जरुरी है। इसके साथ रोजाना कम से कम 4 लीटर पानी अवश्य पिएँ। अपनी डाइट में पत्तेदार सब्जियों और ताजे फलों को शामिल करें। सुबह का नाश्ता जरूर करें।

व्यवस्थित जीवनशैली को अपनाएंः स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली व्यवस्थित होना बहुत जरुरी है। आपको शारीरिक रूप से एक्टिव रहना चाहिए और घर के कामों में हाथ बटाना चाहिए। कोशिश करें कि बहुत देर तक बैठने या सोने का काम ना करें इससे मोटापा बढ़ सकता है और उससे कई तरह की बीमारियाँ हो सकती हैं।

इसलिए आपको पॉजिटिव सोचना चाहिए और मेडिटेशन करना चाहिए।

हर रोज औषधीय गुणों से भरपूर लाल रंग के इस जूस को पीने से शरीर पर क्या असर पड़ता है?

दादी-नानी के जमाने से खाने-पीने की कुछ चीजों को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है।

चुकंदर को डाइट प्लान में शामिल करने से भी सेहत पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। क्या आपने कभी चुकंदर का जूस पिया है? अगर नहीं, तो पोषक तत्वों से भरपूर इस नेचुरल ड्रिंक के फायदों के बारे में जानकर आप इसे रोज पीना शुरू कर देंगे।

आयरन रिच चुकंदर का जूस पीकर आप अपने शरीर में पैदा हुई खून की कमी को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा चुकंदर का जूस आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप रोजाना बीटरूट जूस पी सकते हैं। चुकंदर का जूस आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपका ब्लड प्रेशर हाई रहता है, तो आपको चुकंदर का जूस पीना शुरू कर देना चाहिए।

बीटरूट जूस में मौजूद तत्व आपके हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। अगर आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो हर रोज चुकंदर का जूस पीना कर दीजिए।

बीटरूट जूस दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में भी मददगार साबित हो सकता है। क्या आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको चुकंदर का जूस पीना शुरू कर देना चाहिए। चुकंदर का जूस लिवर को डिटॉक्स करने में भी कारगर साबित हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के घरेलू उपाय, लक्षण महसूस होते ही इन चीजों को डाइट में करें लें शामिल

कोलेस्ट्रॉल हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है, लेकिन इसका ज्यादा होना भी बॉडी के लिए नुकसानदायक होता है। शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं जिसमें बेड कोलेस्ट्रॉल खतरनाक होता है। बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर ये धमनियों में जमा होकर खून को रोकता है। इससे हार्ट तक खून की सप्लाई प्रभावित होती है। जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोल का खतरा बढ़ जाता है। खाने की गलत आदतों और गलत लाइफस्टाइल की वजह से शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है। दवाओं से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन लंबे समय तक इसे कंट्रोल करने के लिए डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करने की जरूरत है। जानिए बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए क्या खाएं और क्या उपाय करें।

अखरोट- शरीर को एनर्जी देने वाला अखरोट कोलेस्ट्रोल के लिए फायदेमंद है। रोजाना अखरोट खाने से आपके शरीर को कैल्शियम, मैग्नीशियम, ओमेगा-3, फाइबर, कॉपर और फास्फोरस जैसे कई पोषक तत्व मिलते हैं। कोलेस्ट्रोल को कम करने के लिए आपको रोजाना 4 अखरोट खाने चाहिए।

लहसुन- एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में लहसुन मददगार साबित हुआ है। वैज्ञानिकों की रिसर्च में भी लहसुन के फायदों के बारे में पता लगा है।

इन कारणों से महिलाओं में बढ़ने लगती है यूरिक एसिड की समस्या

इन दिनों महिलाओं में यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ी है।यह एक लाइफ स्टाइल डिजीज है जिसका शिकार इन दिनों महिलायें भी तेजी से हो रही हैं। दरअसल, महिलाओं का हार्मोनल हेल्थ सबसे ज्यादा प्रभावित रहता है। इसके अलावा उनकी पाचन क्रिया भी प्रभावित रहती है जिस वजह से शरीर प्यूरिन पचा नहीं पाता है और यूरिक एसिड की समस्या बढ़ने लगती है। साथ ही सेहत से जुड़े कई और कारण भी हैं जिसकी वजह से महिलाओं में यूरिक एसिड की समस्या ज्यादा हो सकती है। आइए, जानते हैं।

हार्मोनल उतार-चढ़ावः महिलाओं में मासिक धर्म, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव होते हैं, जो यूरिक एसिड के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजन की कमी यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती है। प्रीमेनोपॉजल महिलाओं में पीरिड्स के आसपास या इस दौरान यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है। ये खराब हार्मोनल हेल्थ की वजह से होता है।

कमजोर पाचन तंत्रः यूरिक एसिड की दिक्कत तब शुरू होती है जब शरीर प्रोटीन और खास कर कि प्यूरिन पचाने में निष्क्रिय रहता है। शराब यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती है।

शरीर के लिए सबसे फायदेमंद हैं ये चार नट्स, रोज सुबह खाने से बॉडी को मिलेंगे अनगिनत फायदे

नट्स हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं साथ ही ये आपकी बॉडी को जरूरी पोषक तत्व पहुंचाते हैं। नट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। ड्राई फ्रूट्स को अपने खाने के साथ शामिल करने से ये आपके दिल के स्वास्थ्य से लेकर दिमाग के कामकाज तक को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट के हिसाब से आप इन चार नट्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। इससे आपकी बॉडी को मोनोअनसैचुरेटेड फैट, प्लांट प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल मिलेंगे। रोजाना नट्स खाने से आपकी ओवरऑल हेल्थ में सुधारा आएगा। जानिए रोज कौन से नट्स खाने चाहिए?

हेज़लनट्स- अगर आप रोज 100 ग्राम नट्स खाते है तो ये आपके शरीर को 10 ग्राम फाइबर देते हैं। हेज़लनट्स स्वस्थ और स्किन को यंग बनाए रखने में मदद करते हैं।

मैकाडामिया नट्स- मैकाडामिया नट्स को मक्खन जैसा स्वादिष्ट माना जाता है। ये शरीर के लिए जरूरी सभी पोषक तत्वों का भंडार हैं। मैकाडामिया को अच्छे पैट का पावरहाउस कहते हैं जो आपके पूरे स्वास्थ्य का ध्यान रखता हैं।

ये खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने के साथ-साथ आपकी हार्ट हेल्थ का भी ध्यान रखता हैं।

कम उम्र में पीरियड होने के क्या हैं कारण, डॉक्टर ने बताया ये गलत आदतें बन रही हैं असली वजह

लाइफस्टाइल का असर आपकी सेहत और हार्मोंस पर तेजी से पड़ रहा है। पहले जहां लड़के और लड़कियों की फिजिकल ग्रोथ काफी उम्र होने पर होती थी। वहीं अब ये समय तेजी से कम होता जा रहा है। लड़कियों को 14-15 साल की उम्र में पीरियड्स शुरु होते थे, जो अब 10-12 साल में ही शुरू हो जाते हैं। कई बार तो बच्चियां इसका मतलब भी नहीं समझतीं और उन्हें मासिक धर्म शुरु हो जाता है। इतनी कम उम्र में पीरियड्स होने से काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। हालांकि समय से पीरियड्स न होने से भी कई सारी बीमारियां पैदा हो सकती है। आइए डॉक्टर से जानते है कि अर्ली पीरियड होने से बच्चियों को क्या दिक्कत आती हैं समय से पहले पीरियड आना सही है या नहीं। जल्दी पीरियड्स शुरू होने के क्या कारण हैं और इससे कैसे बच सकते हैं। गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर मीरा की मानें तो आजकल पीरियड की उम्र 9 से 10 साल हो गई है। अर्ली पीरियड होने के कारण कई बच्चियों के मैच्योर होने से पहले पीरियड्स के दर्द और इससे संबंधित परेशानियां झेलनी पड़ जाती हैं। 9 से 10 साल में पीरियड होने के कई कारण होते हैं, जिसमें लाइफस्टाइल, खाना, व्यायाम शामिल हैं।

जल्दी पीरियड्स होने के कारण

पहला कारण है जंक फूड खाना, ओवर इटिंग

प्लास्टिक से बनी चीजों जैसे पैक्ड फूड, कॉस्मेटिक का यूज करना

हाई स्ट्रेस, इमोशनल स्ट्रेस होना

सोशल मीडिया से मिल रहा एडल्ट कंटेंट

जेनेटिक्स और फैमिली हिस्ट्री

ब्रेन ट्यूमर, थायराइड और दूसरी बीमारी के कारण भी 8 साल से पहले पीरियड हो जाते हैं।

लड़कियों को पीरियड देरी से हों इसके लिए क्या करें

सबसे पहले सही मात्रा में और अच्छा भोजन खाना सबसे जरूरी है जिसमें शुगर, कोलड्रिंक्स, जंक फूड नहीं होने चाहिए।

बच्चों को किसी न किसी तरह की कोई फिजिकल एक्टिविटी जरूर कराएं। जिसमें वॉक करना और स्पोर्ट्स एक्टिविटी शामिल हैं।

योग में जैसे पश्चिमोत्तानासन, भुजंगासन, सेतुबंध आसन, बल आसन, सूर्य नमस्कार करना चाहिए।

बच्चों की लाइफ से प्लास्टिक को पूरी तरह से दूर कर दें।

समय से सोना समय से जगना बच्चों के लिए जरूरी है।

बच्चों को इमोशनल सपोर्ट करें और खेल कूद करने दें।

सोशल मीडिया का यूज करते समय बच्चों पर ध्यान दें।

कई बार कुछ मेडिकल कंडीशन की वजह से बच्चियों को जल्दी पीरियड आने की समस्या हो सकती है।

थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी बदलेगी या रहेगी? सुप्रीम कोर्ट का केंद्र, CBSE और NCERT को नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र, CBSE और NCERT ने सुप्रीम कोर्ट में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 के थ्री-लैंग्वेज फ्रेमवर्क को लागू करने का पुरजोर बचाव करते हुए कहा कि यह "मल्टीलिंगुअलिज्म और नेशनल इंटीग्रेशन" को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) और नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (NCERT) ने अलग-अलग हलफनामों में, देश भर में CBSE से जुड़े स्कूलों में अपनाई गई थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज करने की मांग की है। इस बीच, चीफ जस्टिस ऑफ़ इंडिया (CJI) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने मंगलवार को केंद्र, NCERT और CBSE से दो नई याचिकाओं पर 10 दिनों में जवाब मांगा है, जिनमें बोर्ड की उस पॉलिसी को चुनौती दी गई है जिसमें क्लास-9 के स्टूडेंट्स के लिए दो भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाओं की पढ़ाई ज़रूरी है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से ने एक एफिडेविट में कहा है कि मल्टीलिंगुअलिज्म और नेशनल इंटीग्रेशन को बढ़ावा देने के लिए थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी ज़रूरी है। इसमें कहा गया है कि लैंग्वेज एजुकेशन और मल्टीलिंगुअल लर्निंग से जुड़ी सिफारिशें NEP के तहत सोचे गए बड़े एजुकेशनल सुधारों का हिस्सा हैं। मंत्रालय ने कहा है, "नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन (NCFSE) 2023, NEP-2020 के हिसाब से, थ्री-लैंग्वेज फॉर्मूला को लागू करने की बात दोहराता है और सिफारिश करता है कि स्टूडेंट्स ग्रेड VI से X के दौरान तीन भाषाएं पढ़ें, जिनमें से कम से कम दो भाषाएं मूल भारतीय भाषाएं हों।" चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट आनंद ग्रोवर और गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया। चीफ जस्टिस ने कहा, "हम इन याचिकाओं पर 29 जुलाई को सुनवाई करेंगे।" अमनदीप कौर और अर्पण रॉय चौधरी ने नयी याचिकाएं दायर की हैं।

उन्होंने केंद्र, सीबीएसई और एनसीईआरटी को इस मामले में पक्षकार बनाया है। एक वकील ने कहा कि अभिभावकों और स्कूलों ने पाठ्यपुस्तकों की भारी कमी और अचानक इस नीति को लागू करने के बोझ का जिक्र किया है। ग्रोवर ने दलील दी, "वे ऐसे परिपत्र लागू कर रहे हैं जो शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के विपरीत और अवैध हैं। वैकल्पिक व्यवस्था दिए बिना भाषाएं थोपी जा रही हैं। यदि संस्कृत के बिना पंजाबी पढ़ाई जाएगी, तो उसके लिए शिक्षक कहां से आएंगे?" उन्होंने कहा, "हम यहां छठी और नौवीं कक्षा के छात्रों के हितों की बात कर रहे हैं। सबसे बड़ी व्यावहारिक समस्या यह है कि एक राज्य ने एक जुलाई तक सभी पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है, लेकिन अभी 22 भाषाओं में से केवल तीन भाषाओं की ही किताबें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही शिक्षकों की कमी के कारण भी कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं।" वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा, "कोई बच्चा अब तक अंग्रेजी और फ्रेंच पढ़ रहा है और अचानक कक्षा नौवीं के 14 वर्षीय छात्र से कहा जाता है कि अब तमिल भी सीखो। ऐसे में शिक्षक, आवश्यक बुनियादी ढांचा और अन्य संसाधन कहां से आएंगे?" इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "हम नोटिस जारी कर रहे हैं।"

उमस भरी गर्मी से घबराइए मत, जल्द बरसेंगे बादल, मौसम विभाग ने दी करोड़ों लोगों को खुशखबरी

नई दिल्ली। गुजरात, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में जहां भारी बारिश से कई इलाकों में बाढ़ जैसी हालात हैं, वहीं दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में पिछले कई दिनों से बारिश नहीं हो रही है। इसकी वजह से उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल हैं।

इस बीच मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने कहा कि पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश होने की उम्मीद है।

मेघालय और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश" की चेतावनी जारी की गई है, जबकि असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में अगले सात दिनों में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण अगले हफ़्ते पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। विभाग ने 15 जुलाई से उत्तराखंड के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

कलयुगी पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या, आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल गमछा बरामद

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जिस पत्नी ने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का वादा किया था, उसी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल गमछा, मृतक की सोने की अंगूठी और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। यह मामला इटावा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित ग्राम तोड़ा का है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान भट्ठा व्यवसायी आनंद राजपूत के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया कि आनंद की 32 साल की पत्नी आशिकी देवी का पड़ोस में रहने वाले 22 साल के शिवम राजपूत के साथ प्रेम संबंध था।

दोनों काफी समय से एक-दूसरे के संपर्क में थे। जांच में यह भी पता चला कि आनंद राजपूत को अपनी पत्नी और शिवम के रिश्ते की जानकारी हो गई थी।

इसके बाद पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होने लगा। पुलिस का कहना है कि इसी वजह से आशिकी देवी और उसके प्रेमी ने आनंद को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

आरोप है कि 13 जुलाई को दोनों ने मिलकर आनंद राजपूत का गला गमछे से घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने मामले को छिपाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की जांच और साक्ष्यों ने पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव और पुलिस अधीक्षक नगर अभयनाथ त्रिपाठी के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में सिविल लाइन थाना प्रभारी के.के. मिश्रा और उनकी टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ और अन्य सुरागों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कर्नाटक में 20 जुलाई से पहले हो सकता है शिवकुमार की कैबिनेट का विस्तार, कई नए चेहरों को मिल सकती है जगह

बेंगलुरु। कर्नाटक में डीके शिवकुमार की कैबिनेट का विस्तार 20 जुलाई से पहले किया जा सकता है। मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवकुमार पहली बार अपनी कैबिनेट का विस्तार करेंगे। सीएम डीके शिवकुमार ने इसका संकेत दिया है और कहा कि वह पार्टी आलाकमान से मिलने जल्द ही दिल्ली भी जाने वाले हैं। अगले विधानसभा चुनाव के हिसाब से कैबिनेट में कई नए चेहरों को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही जातीय समीकरणों का भी कांग्रेस ख्याल रखेगी। कर्नाटक में अभी मुख्यमंत्री समेत 14 मंत्री हैं, जबकि कर्नाटक में मंत्रियों की अधिकतम संख्या 34 हो सकती है। फिलहाल, 20 पद खाली हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, मंत्री पद पाने के लिए ज़ोरदार लॉबिंग चल रही है। खासकर वरिष्ठ विधायक लॉबिंग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, राज्य के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 18 जुलाई को दिल्ली आ सकते हैं। पार्टी आलाकमान से चर्चा के बाद कैबिनेट हो सकता है। 20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र और आने वाले विधानसभा सत्र से पहले राज्य के कैबिनेट विस्तार किया जाएगा। शिवकुमार ने कहा कि विधानसभा का सत्र बुलाना उनकी तत्काल प्राथमिकता है और पार्टी नेतृत्व से मिलने का समय मिलने के बाद वह दिल्ली जाएंगे। जब भी वे (पार्टी आलाकमान) मुझे समय देंगे, मैं चला जाऊंगा। वे मुझे अगले तीन या चार दिनों में तारीख बता देंगे।

ज्ञानवापी विवाद में बैठक निकली बेनतीजा, हिंदू और मुस्लिम पक्षों ने मध्यस्थता से किया इनकार

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद-श्रृंगार गौरी विवाद में हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने मंगलवार को प्रस्तावित मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल होने से इनकार कर दिया। हिंदू पक्ष की ओर से श्रृंगार गौरी केस की सभी वादिनी और पक्षकार, पैरोकार हर -हर महदेव कहते हुए लोक अदालत के अंदर प्रवेश किए। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा की ज्ञानवापी पर स्वामित्व के अधिकारी के लिए दोनों पक्ष तैयार नहीं, इसमें मुकदमे के बाद जो फैसला आएगा, उसी से नतीजा निकलेगा। ज्ञानवापी के विवाद को सुलझाने की नीयत से सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को सभी पक्षकारों (हिन्दू और मुस्लिम) को वाराणसी के लोक अदालत में जाकर मध्यस्थता बैठक के माध्यम के ज्ञानवापी में समझौते के आधार पर सुलह करते हुए समस्या के निस्तारण को लेकर बुलाया था। सुप्रीम कोर्ट की पहल को लेकर ज्ञानवापी के जुड़े 4 केस की फाइल जिसमें राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, सोमनाथ व्यास और के अन्य एडीजे कोर्ट के मुकदमे से जुड़े सभी हिंदू पक्षकार और अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के अधिवक्ता शामिल हुए। करीब 20 मिनट तक मनोरंजन कक्ष के मेडिएशन सेंटर में मौजूद रहे लेकिन दोनों पक्ष ने मध्यस्थता को लेकर साफ इनकार कार दिया। हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी और वादिनी रेखा पाठक ने बताया की ज्ञानवापी मंदिर है। इसके सबूत अभी भी वही मौजूद हैं। हमारी मांग थी की हम बिना शर्त के मध्यस्थता के लिए तैयार हैं लेकिन मुस्लिम पक्ष तैयार नहीं हुआ, अब जबकि सुप्रीम कोर्ट ने यहां की सुनवाई पर अभी वर्तमान में रोक लगा रखी है, जिसमें सुनवाई 27 जुलाई को तारीख है। ऐसे में अब हिंदू पक्ष सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में सुनवाई की गुहार लगाने की तैयारी कर रहा है। लिहाजा अब 21, 22 और 23 को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली पहल अब नहीं होगी। यह मध्यस्थता बैठक की पहल करना विफल हो गया।

सुनेत्रा पवार के NCP अध्यक्ष बनने पर घमासान, पार्टी को मिला 15 दिनों में नए चुनाव कराने का अल्टीमेटम

सुनेत्रा पवार के एनसीपी की अध्यक्ष चुने जाने को पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने चुनौती दी है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने को लेकर पार्टी के ही एक वरिष्ठ नेता ने सवाल उठा दिए हैं और 15 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। वहीं, पार्टी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए चुनाव को पूरी तरह नियमानुसार बताया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह ने दिल्ली की लॉ फर्म एआरएस एसोसिएट्स के माध्यम एक नोटिस भेजकर 26 फरवरी 2026 को हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को अवैध बताया है। यह नोटिस 9 जुलाई को सुनेत्रा पवार (अध्यक्ष), प्रफुल्ल पटेल (कार्यकारी अध्यक्ष) और बृजमोहन श्रीवास्तव (पार्टी सचिव) को भेजा गया है। सच्चिदानंद सिंह का दावा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पार्टी के संविधान के अनुसार नहीं हुआ है, इसलिए इसे अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव अधिकारी की देखरेख में नए सिरे से चुनाव कराए जाएं और तब तक नए पदाधिकारियों की सूची को भी रद्द माना जाए। यह कानूनी विवाद 28 जनवरी 2026 को अजित पवार के निधन के बाद शुरू हुआ। सिंह के मुताबिक, पार्टी ने 17 फरवरी 2026 को चुनाव आयोग को एक संशोधित संविधान सौंपा था। इसके तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुने जाने तक कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को अध्यक्ष की सभी शक्तियां दी गई थीं। सिंह का तर्क है कि संशोधित संविधान के अनुसार, केवल प्रफुल्ल पटेल के पास ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाने का अधिकार था। ऐसे में पार्टी महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव ने 26 फरवरी की बैठक कैसे बुलाई? नोटिस में आरोप लगाया गया है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाने को लेकर 18 फरवरी को चुनाव आयोग को भेजे गए पत्र को तत्कालीन कार्यकारिणी सदस्यों की मंजूरी नहीं थी, जिससे बाद में हुए चुनाव की वैधता पर सवाल उठते हैं। सिंह का दावा है कि न तो केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण का गठन किया गया, न निर्वाचन अधिकारी नियुक्त हुआ और न ही कोई चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया।

देश में कितने प्रतिशत लोगों के पास है भारतीय पासपोर्ट, इसका क्या है उद्देश्य? विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारतीय पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया को लेकर कहा कि भारतीय पासपोर्ट अधिनियम, 1967 के तहत भारत सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला आधिकारिक दस्तावेज है। इसका उद्देश्य भारतीय नागरिकों की विदेश यात्रा और भारत से प्रस्थान को कानूनी तरीके से रेगुलेट करना है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि कितने प्रतिशत भारतीयों के पास पासपोर्ट है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि पासपोर्ट जारी करने से पहले निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी जरूरी सत्यापन किए जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय नागरिकों या किसी अन्य पात्र व्यक्ति को पासपोर्ट जारी करने की पूरी प्रक्रिया पासपोर्ट अधिनियम, 1967 और पासपोर्ट नियम, 1980 के प्रावधानों के अनुसार संचालित होती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आगे यह भी बताया कि वर्तमान समय में भारत की कुल आबादी में 8 प्रतिशत से भी कम भारतीय नागरिकों के पास पासपोर्ट है।बता दें कि विदेश मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों ने 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पासपोर्ट को यात्रा दस्तावेज बताया था, न कि नागरिकता का दस्तावेज बताया था।

लद्दाख में ऑफ-रोडिंग करने पर 12 बाइकर्स पर लगा 1.20 लाख रुपए का जुर्माना, एक SUV मालिक भी नपा

लद्दाख। लद्दाख में ऑफ रोडिंग करने पर 12 बाइकर्स के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। इन बाइकर्स पर 1.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा इकोसिस्टम को नुकसान पहुंचाने के लिए एक SUV मालिक पर भी 50,000 रुपए का जुर्माना लगा है। एलजी विनय कुमार सक्सेना ने पर्यटकों से ये अपील की है कि वे अपनी जिम्मेदारी समझें और लद्दाख का आनंद लें। उन्होंने कहा है कि इकोसिस्टम और वन्यजीवों को बचाने में मदद करें। बता दें कि लद्दाख के इकोसिस्टम को बचाने के लिए एलजी की पहल पर पर्यावरण संरक्षण बल में 100 पूर्व सैनिक तैनात किए गए हैं। लद्दाख प्रशासन ने संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में अवैध ऑफ-रोडिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पहली बार किसी बाइकर्स ग्रुप पर जुर्माना लगाया है। प्रशासन ने 12 बाइक सवारों पर कुल 1.20 लाख रुपये (प्रति बाइक 10,000) का जुर्माना लगाया, जबकि पैंगोंग झील के पास अवैध रूप से ऑफ-रोडिंग कर रहे एक SUV चालक पर 50,000 का जुर्माना लगाया गया। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पर्यटकों से अपील की है कि वे लद्दाख की प्राकृतिक सुंदरता, वन्यजीवों और नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र का सम्मान करें तथा जिम्मेदारी के साथ पर्यटन का आनंद लें। जांच में पाया गया कि सभी बाइक सवारों ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 29 का उल्लंघन किया। जुर्माना जमा करने के बाद वाहन को छोड़ दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415